E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 252 | गुवाहाटी | सोमवार, 14 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सूचना

सभी एजेंटों, हॉकरों, ग्राहकों और विज्ञापनदाताओं को **विकसित भारत समाचार** परिवार की ओर से रंगाली बिहू और असमिया नववर्ष की शुभकामनाएं। इस उपलक्ष्य में 14 और 15 अप्रैल को कार्यालय में अवकाश रहेगा। हम 17 अप्रैल के अंक के साथ आपकी सेवा में पुन: प्रस्तुत होंगे।

– संपादक

भारत ने लेजर के जरिए हवाई लक्ष्य मार गिराने की क्षमता दिखाई — पेज 2

मुख्यमंत्री हिमंत ने जीत अडानी के साथ समूह की 50,000 करोड़ रुपए की निवेश... — पेज 3

महिला सशक्तिकरण के संकल्प के साथ जयपुर में हुआ महिलाओं का सम्मान — पेज 5

अभिषेक ऑरेंज कैप की रेस में शीर्ष 15 खिलाड़ियों में पहुंचे — पेज 7

पूर्वोत्तर की पहली रोबोटिक कैंसर सर्जरी सुविधा असम में शुरू

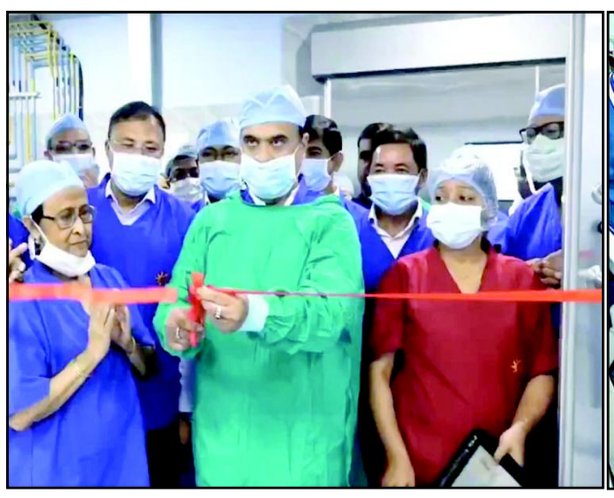

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को गुवाहाटी के स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में रोबोटिक सर्जरी सिस्टम का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अब से मरीज यहां कैंसर के लिए रोबोटिक सर्जरी करा सकेंगे। राज्य सरकार ने केंद्र सरकार की राष्ट्रीय कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम के तहत 14.99 करोड़ रुपए की अत्याधुनिक रोबोटिक सर्जरी मशीन खरीदी है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि सिलचर और डिब्रूगढ़ में भी ऐसी ही सुविधाएं शुरू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के सरकारी अस्पताल अब *मेड इन इंडिया* मशीनरी के जरिए कम लागत वाली, अत्यधिक सटीक और कम से कम आक्रामक ऑन्कोलॉजिकल सर्जिकल प्रक्रियाएं प्रदान करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस उच्च स्तरीय चिकित्सा उपकरण को संचालित करने में डॉक्टरों को सशक्त बनाने के लिए पर्याप्त और समन्वित कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्च स्तरीय चिकित्सा प्रौद्योगिकी संचालित करने के लिए जनशक्ति तैयार करने के लिए हम राज्य भर के सभी कैंसर अस्पतालों में नर्सिंग कॉलेज शुरू करने की प्रक्रिया में हैं, जहां छात्रों को अंग्रेजी और जापानी भाषाओं का ज्ञान मिलेगा, जिससे उन्हें विशाल भौगोलिक क्षेत्रों में अपने कैरियर के अवसरों का विस्तार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने सीएसआर पहल के तहत योगदान देने तथा राज्य कैंसर संस्थान को उच्च स्तरीय चिकित्सा उपकरण दान करने के लिए आईसीआईसीआई फाउंडेशन के प्रति आभार व्यक्त किया। रोबोटिक सर्जरी सुविधा के शुभारंभ के साथ, सरकार ने राज्य में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को उन्नत करने और प्रत्येक नागरिक के लिए विश्व स्तरीय उपचार सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि रोबोटिक सर्जरी बेहतर सटीकता, बेहतर नियंत्रण और 3डी विजुअलाइजेशन प्रदान करती है, जिससे कैंसर की देखभाल में बेहतर परिणाम मिलते हैं। यह मशीन सार्वभौमिक सुरक्षा सुविधाओं और नवीनतम सॉफ्टवेयर के साथ एक आर्टिकुलेटिंग एंडोस्कोप और कैमरा नियंत्रण प्रणाली से सुसज्जित है और यह *मेक इन इंडिया* तकनीक है। बयान में यह भी कहा गया कि इस रोबोटिक सुविधा से सर्जरी में लगने वाला समय और रक्तस्राव की संभावना कम हो जाएगी।

वक्फ कानून : सिलचर में हिंसक प्रदर्शन पुलिस ने किया लाठीचार्ज

सिलचर। पश्चिम बंगाल के बाद असम में भी वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन आज हिंसा की भेंट चढ़ गया। एक सप्ताह पहले संसद से पारित हुए नए कानून के खिलाफ असम के कछार जिले में प्रदर्शन हिंसक हो गया, जब प्रदर्शनकारियों के एक वर्ग ने पुलिस पर पत्थरबाजी की। सिलचर कस्बे में स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर कर दिया। हिंसा से प्रभावित इलाकों में सिलचर के *-शेष पृष्ठ दो पर*

कछार में निषेधाज्ञा लागू

सिलचर। सिलचर के बाहरी इलाके में वक्फ अधिनियम के खिलाफ *अवैध* विरोध प्रदर्शन के बाद संभावित कानून और व्यवस्था के उल्लघन के मद्देनजर, जिला मजिस्ट्रेट ने रविवार को निषेधाज्ञा लागू कर दी। तत्काल प्रभाव से लागू किए जाने वाले इन प्रतिबंधों का उद्देश्य किसी भी अप्रिय घटना को रोकना *-शेष पृष्ठ दो पर*

राज्य में साल भर मनाया जाएगा भूपेन हजारिका जन्म शताब्दी समारोह : सरकार

गुवाहाटी। असम सरकार ने विख्यात गीतकार एवं संगीतकार भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी को मनाने के लिए आठ सितंबर से साल भर तक आयोजित किए जाने वाले समारोह की घोषणा की। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यहां कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पूरे भारत में कार्यक्रम, जीवनी विमोचन और स्मृति सिक्का जारी करने समेत विभिन्न योजनाएं बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि भारत रत्न भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी का जश्न मनाने के लिए कैबिनेट ने आठ सितंबर 2025 से आठ सितंबर 2026 तक एक साल तक चलने वाले समारोह के आयोजन *-शेष पृष्ठ दो पर*

वक्फ कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी मणिपुर कांग्रेस

इंफाल। मणिपुर के पूर्व सीएम और वरिष्ठ कांग्रेस नेता ओकराम इबोबी सिंह ने रविवार को कहा कि पार्टी की राज्य इकाई वक्फ कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राज्य इकाई ने इस कानून के खिलाफ लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। एक टीम बुधवार तक दिल्ली के लिए रवाना होगी और इस कानून को शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर चुनौती दी जाएगी। इबोबी सिंह ने पत्रकारों से बात करते हुए वक्फ (संशोधन) कानून को संविधान का घोर उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है, लेकिन मौजूदा एनडीए सरकार मुसलमानों और अन्य अल्पसंख्यकों पर हमला कर रही है। हम इस अधिनियम का पूरी तरह से विरोध करते हैं। इसे *-शेष पृष्ठ दो पर*

सुप्रभात

महान कार्य करने का एक ही तरीका है की आप जो भी कर रहे हो उसे प्यार करो। यदि आपको अबतक ऐसा काम नहीं मिला, तो ढूंढते रहो। न की एक ही जगह बैठे रहो।

-स्टीव जॉब्स

न्यूज गैलरी

आंध्र के पटाखा फैक्टरी में विस्फोट आठ की मौत

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में रविवार को एक पटाखा निर्माण इकाई में आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में मारने वाले श्रमिकों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। घटना में सात अन्य लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। दुर्घटना दोपहर करीब 12:45 बजे हुई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला। राज्य की गृह मंत्री वी. अनिता ने बताया, इस अग्निकांड में दो महिलाओं सहित कुल आठ लोगों की मौत हुई *-शेष पृष्ठ दो पर*

मुर्शिदाबाद से डर के कारण भागे सैकड़ों लोग, मालदा में ली शरण

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में फैली हिंसा से डरकर सैकड़ों लोग भागकर पास के मालदा जिले में पहुंच गए हैं। जानकारी के मुताबिक, ये सभी लोग भागीरथी नदी पार कर नावों के जरिए मालदा पहुंचे हैं। जहां प्रशासन ने इन पीड़ित लोगों के लिए स्कूलों में अस्थायी ठहरने और खाने-पीने की व्यवस्था की है। बता दें कि, मुर्शिदाबाद जिले के कई इलाकों जैसे सूती, धूलियन, जंगीपुर और समसेरगंज में वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क उठी। यह क्षेत्र मुस्लिम-बहुल है और प्रदर्शन धीरे-धीरे सांप्रदायिक तनाव में बदल गया। धूलियन के मंदिरपाड़ा इलाके से भागी एक महिला ने बताया कि हमारे घर जला दिए गए। कुछ बाहरी और स्थानीय लोगों ने मिलकर महिलाओं और लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार किया, पुरुषों को पीटा गया। हमें कहा गया कि *-शेष पृष्ठ दो पर*

राभा-हासोंग के नए नेतृत्व ने शपथ ली, मुख्यमंत्री ने चिंताओं को दूर करने का वादा किया

ग्वालपाड़ा। राभा हासोंग स्वायत्त परिषद (आरएचएसी) के नवनिर्वाचित सदस्यों ने रविवार को ग्वालपाड़ा जिले के दुधनई के उदयपुर स्थित परिषद सचिवालय परिसर में अपने पद की शपथ ली। समारोह में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, कैबिनेट मंत्री रनोज पेगु, मंत्री जयंत मल्लबरुआ और राज्य भाजपा अध्यक्ष एमपी दिलीप सैकिया सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत ग्वालपाड़ा के उपायुक्त खंडिंद्र चौधरी द्वारा टंकेश्वर राभा को शपथ दिलाने के साथ हुई, जिन्होंने अपने तीसरे कार्यकाल के लिए परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) के रूप में शपथ ली। टंकेश्वर राभा ने राभा भाषा में शपथ ली, जो इस अवसर के सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। मुख्य चुनाव आयुक्त के अलावा कामरूप जिले के हाहिम निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित प्रतिनिधि सोनाराम राभा को परिषद के अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई गई, जबकि ग्वालपाड़ा जिले के सालपाड़ा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली अलका राभा को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके बाद परिषद के सभी नवनिर्वाचित सदस्यों ने सामूहिक रूप से शपथ ली। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री शर्मा ने राभा राजा दोदान को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके सम्मान में *-शेष पृष्ठ दो पर*

बंगाल के सीमावर्ती जिलों में अफस्पा लागू करने की मांग

कोलकाता। वक्फ कानून के विरोध में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के चलते पश्चिम बंगाल हिंसा की चपेट में है। इस बीच भाजपा सांसद ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर बंगाल के सीमावर्ती जिलों में अफस्पा कानून लागू करने की मांग कर दी है। भाजपा सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो ने यह मांग की है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि बंगाल के सीमावर्ती जिलों को अफस्पा कानून के तहत अशांत इलाके घोषित कर देना चाहिए क्योंकि इन जिलों *-शेष पृष्ठ दो पर*

ईरान के आगे झुका अमेरिका, परमाणु मुद्दे पर मान रहा खामेनेई की शर्त

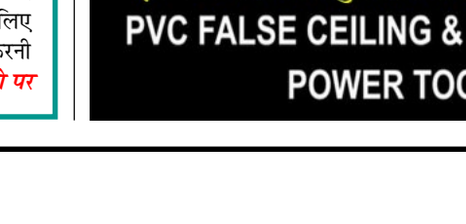

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच शनिवार से परमाणु मुद्दे और प्रतिबंध हटाने के लिए वार्ता शुरू हो गई है। डोनाल्ड ट्रंप ने इस वार्ता का ऐलान करते हुए कहा था कि हम ईरान के साथ प्रत्यक्ष वार्ता चाहते हैं और शनिवार को होने वाले वार्ता प्रत्यक्ष होगी, लेकिन अभी तक ऐसा हो नहीं पाया है। ईरान के बयान से पता चला है कि ये वार्ता ईरान की शर्तों के हिसाब से *अप्रत्यक्ष* हो रही है। ईरान के विदेश मंत्रालय का कहना है कि अगले हफ्ते अमेरिका के साथ होने वाली वार्ता ओमानी मध्यस्थता के साथ अप्रत्यक्ष रहेगी और सिर्फ परमाणु मुद्दे और प्रतिबंधों को हटाने पर ध्यान केंद्रित करेगी। जिससे साफ हो गया है कि ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बात नहीं मानी है और वार्ता अपने हिसाब से ही शुरू की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माईल बाकेई ने सरकारी *-शेष पृष्ठ दो पर*

यूक्रेन-रूस युद्ध समाप्ति की बातचीत सही दिशा की ओर : ट्रम्प

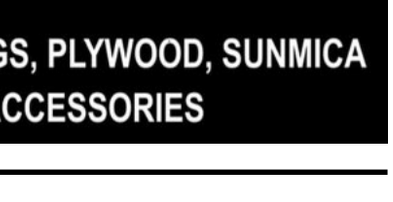

वाशिंगटन (हि.स.)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध समाप्ति के लिए बातचीत शायद सही दिशा की ओर जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एयर फोर्स वन में ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत का सिलसिला शुरू हो चुका है, जो कि ठीक दिशा की ओर जा रहा है। लेकिन ऐसा समय भी आता है जब आपको कुछ कर दिखाना होता है। या फिर चुप हो जाना होता है। डोनाल्ट ट्रम्प का बयान ऐसे समय आया है, जब बीते दिनों अमेरिका के विशेष दूत *- शेष पृष्ठ दो पर*

मप्र प्राथमिक साख सहकारी समितियों के कम्प्यूटराइजेशन देश में प्रथम : शाह

भोपाल (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि राज्यों में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां (पैक्स) के कंप्यूटराइजेशन का कार्य चल रहा है। इसमें मध्य प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने मध्य प्रदेश में शत-प्रतिशत उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में साढ़े पांच करोड़ लीटर दूध का उत्पादन होता है जो देश के कुल उत्पादन का नौ प्रतिशत है। प्रदेश में सुशासन का दौर चल रहा है, यह सहकारिता को जीवंत करने का स्वर्णिम अवसर है। प्रदेश के किसानों के साथ केंद्र सरकार चट्टान की तरह खड़ी है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री शाह रविवार को भोपाल के रविंद्र भवन में राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ मिलकर कम से कम 50 प्रतिशत गांवों तक सहकारिता और डेयरी गतिविधियों का विस्तार करना आवश्यक है। इसके लिए आवश्यक नीति निर्माण और प्लानिंग भी करनी होगी। केंद्र सरकार की ओर *-शेष पृष्ठ दो पर*

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भारत ने लेजर के जरिए हवाई लक्ष्य मार गिराने की क्षमता दिखाई

चुनिंदा देशों की सूची में हुआ शामिल

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने रविवार को 30 किलोवाट लेजर आधारित हथियार प्रणाली का उपयोग करके फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट, मिसाइल और स्वार्म ड्रोन को मार गिराने की अपनी क्षमता का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। भारत इसके साथ ही अमेरिका, चीन और रूस सहित उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है, जिन्होंने ऐसी क्षमता दिखाई है। 30 किलोवाट की लेजर हथियार प्रणाली को 5 किलोमीटर की सीमा के भीतर ड्रोन और हेलीकॉप्टर जैसे हवाई खतरों का मुकाबला करने के लिए डिजाइन किया गया है। डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने इस सफल परीक्षण के बाद कहा कि इससे पहले अमेरिका, रूस और चीन ने इस तरह की क्षमता का प्रदर्शन किया है। इजरायल भी इसी तरह की क्षमताओं पर काम कर रहा है। हम इस प्रणाली का प्रदर्शन करने वाले दुनिया के चौथे या पांचवें देश हैं। इसमें संचार और उपग्रह संकेतों को जाम करने सहित उन्नत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमताएं हैं। इस बहुमुखी हथियार प्रणाली से जमीन और जहाज आधारित मिशन को अंजाम दिया जा सकता है, जिससे कई क्षेत्रों में भारत की रक्षा तत्परता बढ़ती है। यह प्रणाली सटीक लक्ष्यीकरण के लिए 360 डिग्री इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल, इन्फ्रारेड सेंसर से लैस है और इसे हवाई, रेल, सड़क या समुद्र के माध्यम से तेजी से तैनात किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि डीआरडीओ 300 किलोवाट सूर्य ? लेजर हथियार जैसे अधिक शक्तिशाली सिस्टम भी विकसित कर रहा है, जिसकी परिचालन सीमा 20 किलोमीटर है। यह सिस्टम मिसाइलों और मानव रहित हवाई प्रणालियों (यूएएस) जैसे उच्च गति वाले हवाई खतरों को लक्षित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो आधुनिक युद्ध में भारत की स्थिति को और मजबूत करेगा। ये प्रगति मिसाइल रक्षा और ड्रोन विरोधी अभियानों के लिए उच्च शक्ति वाले लेजर पर जोर देने वाले वैश्विक रुझानों के अनुरूप है।

चापर में 17 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भयंकर सड़क दुर्घटना

धुबरी (हिंस)। धुबड़ी जिले के चापर शालकोचा सोनामुखी स्थित 17 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आज भयानक सड़क दुर्घटना हुई। एक बाइक और चार पहिया वाहन के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस भीषण सड़क दुर्घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उल्लेखनीय है कि एएस01 एफपी 3381 नंबर की चार पहिया वाहन ने चापर की दिशा में जा रही एएस 17 पी 1768 नंबर की बाइक को जोरदार टक्कर मारी, जिससे बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों युवकों को तुरंत गंभीर हालत में धुबड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उक्त घटना कि सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस दुर्घटना स्थल पर पहुंचकर उक्त मामले में एक प्राथमिकी दर्ज कर दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया और मामले की जांच शुरू कर दी।

हाटशिंगीमारी में प्रचंड तूफान और बिजली कड़कने से दहशत

दक्षिण सालमारा (हिंस)। हाटशिंगीमारी के शांतिपुर गांव में आज तड़के प्रचंड तूफान और बिजली कड़कने से दहशत फैल गया। प्रचंड तूफान के चलते बड़े-बड़े पेड़ उखड़ गए हैं। हाटशिंगीमारी के शांतिपुर क्षेत्र में प्रचंड तूफान में बारिश के दौरान पेड़ उखड़ने की घटना देखी गई है। दूसरी ओर प्रचंड तूफान के परिणामस्वरूप बिजली की आपूर्ति बाधित हो गई है। एक ओर प्रचंड तूफान और बारिश हो होने लगी, वहीं दूसरी ओर बिजली कड़कने से हाटशिंगीमारी के निवासियों में एक प्रकार से दहशत फैल गई। सड़क पर गिरे पेड़ों को हटाने के लिए वन विभाग की टीम जुटी हुई है। वहीं, विद्युत आपूर्ति को बहाल करने के बिजली विभाग के कर्मी जुटे हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने दी बैसाखी पर्व की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बैसाखी पर्व की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि नई उमंग और नई फसल के स्वागत के प्रतीक पर्व बैसाखी की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। अन्नदाता किसानों के पुरुषार्थ और उनके अथक परिश्रम का प्रतीक यह पर्व सभी के जीवन में समृद्धि, उल्लास और नवीन ऊर्जा का संचार करे, मेरी यही प्रार्थना है।

सापटग्राम में भयानक आगजनी

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के सापटग्राम में भयानक अग्निकांड में लाखों का नुकसान हुआ। आज सुबह 5-45 बजे यह भीषण अग्निकांड हुआ। इस अग्निकांड के कारण पूरे सापटग्राम शहर में दहशत का माहौल बन गया। आशंका जताई जा रही है कि यह आगजनी आकाशीय बिजली गिरने के कारण हो सकती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग लगने के दौरान दो रसोई गैस सिलेंडरों में विस्फोट हुआ। इस अग्निकांड में कुल 12 दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गईं और लगभग दो करोड़ रुपए की संपत्ति का नुकसान होने कि आशंका जताई जा रही है। घटनास्थल पर दमकल विभाग की टीम पहुंची, लेकिन दमकल वाहन में पानी की कमी के कारण समय पर आग पर काबू नहीं पाया जा सका। काफी मुश्किलों के बाद दमकल वाहन ने आग पर काबू पाया।

महान देशभक्त और समाज के प्रति समर्पित महापुरुष थे डॉ. मंगल सेन : गौरव गौतम

पलवल (हिंस)। हरियाणा सरकार में खेल मंत्री गौरव गौतम ने डॉ. मंगल सेन को महान देशभक्त और सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पित महापुरुष बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. मंगल सेन भारतीय संस्कृति के पुजारी और प्रचारक थे। डॉ. मंगल सेन जनता के दिलों में बसते थे। खेल मंत्री गौरव गौतम रविवार को न्यू कॉलोनी स्थित पंजाबी धर्मशाला में पंजाबी समाज की ओर से बैसाखी के पावन पर्व पर डॉ. मंगल सेन भवन के निर्माण कार्य की आधारशिला रखने उपरांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी को बैसाखी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी। खेल मंत्री गौरव गौतम ने डॉ. मंगल सेन को महापुरुष बताते हुए कहा कि डॉ. मंगल सेन जीवन के आखिरी सांस तक जन कल्याण तथा सामाजिक उत्थान कार्यों के लिए समर्पित रहे। उन्होंने कहा कि पंजाबी धर्मशाला में डॉ. मंगल सेन के नाम पर बनने वाला यह यह भवन समाज की एकता, सांस्कृतिक विरासत और सामूहिक उत्थान का प्रतीक बनेगा तथा सामाजिक सहयोग और विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने हर क्षेत्र में प्रदेश का चहुंमुखी विकास किया है। आज जहां समूचा प्रदेश विकास की पटरी पर दौड़ रहा है, वहीं पिछले दस साल में पलवल जिले के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी गई और अगले पांच साल में विकास की गति को और रफ्तार दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लोगों को सुविधाएं देने के उद्देश्य से हर क्षेत्र में विकास कार्य करवा रही है। जिला पलवल में भी विकास का पहिया अब और तेजी से घूमेगा। इस अवसर पर पलवल पंजाबी सभा के प्रधान देवी दयाल मक्कड़, उप प्रधान कृष्ण छावड़ा, सचिव बंशीधर मखीजा, कैशियर पंकज विरमानी, जिला अध्यक्ष पलवल विपिन बैसला, एलडी वर्मा, प्रदीप सरदाना, महेंद्र कालड़ा, ज्ञानचंद कालड़ा, पंजाबी सभा के सचिव राजकुमार भाटिया, गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष सुभाष गांधी, पवन भूटानी, अशोक सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

स्मार्ट सिटी फरीदाबाद को मिलेंगी 200 ग्रीन इलेक्ट्रिक बसें

फरीदाबाद (हिंस)। भारत सेवा प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित आमने-सामने कार्यक्रम फरीदाबाद के चहुंमुखी विकास को लेकर परिचर्चा हुई। रविवार को मैगपाई में आयोजित इस चर्चा में फरीदाबाद के प्रमुख नागरिकों के सामने कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल उपस्थित रहे। सर्वप्रथम भारत माता के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम आरंभ हुआ। कार्यक्रम में पर्यावरण, साफ-सफाई, स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था, सीवरेज, सड़क, यातायात प्रबंधन जैसी समस्याओं के समाधान को लेकर मंथन हुआ, जिसमें नगर निगम, बिजली बोर्ड, एफएमडीए एवं पुलिस विभाग से संबंधित प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। आमना-सामना कार्यक्रम की शुरुआत भारत सेवा प्रतिष्ठान के चेयरमैन एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर क्षेत्र संपर्क प्रमुख श्रीकृष्ण सिंघल ने शहर से जुड़े प्रमुख मुद्दों जैसे पानी, सड़क, स्वच्छता, यातायात प्रबंधन, बिजली व्यवस्था, नई सड़कों का विकास, पर्यावरण संरक्षण से संबंधित सभी मुद्दे मंत्री के सामने रखे। साथ-साथ ही स्मार्ट सिटी परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गयी। चर्चा में उपस्थित लोगों ने भी बढ़चढ़ कर भाग लिया। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने बड़ी सभी बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक उत्तर दिया। उन्होंने पीने योग्य पानी कैसे सभी नागरिकों को सुलभता से मिलेगा उसकी जानकारी सभी को दी। कैसे नये बोरवेल लगाने की योजना है। कैसे खारे पानी से मुक्ति मिलेगी। एसटीपी का पानी कैसे फरीदाबाद के 400 पार्कों के पेड़-पौधों एवं पार्क की घास की सिंचाई के लिए मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण को लेकर जो शुरुआत की है। हम उसको आगे बढ़ाते हुए एक पौधा अपने माता-पिता के नाम से लगाए। जिससे वह आने वाली पीढ़ियों के काम आऐ। सभी नागरिकों से अनुरोध कि सभी लोग आने वाली जुलाई में ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाएं और विशाल पौधारोपण को लेकर भी गंभीरता से कार्य करें। गोयल ने शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर कहा कि शहरों में से कूड़ा उठाने के लिए एक बहुत बड़ी कंपनी को ठेका दिया गया था। उस कंपनी के प्रमोटर चीन के थे। उन्होने अपना कार्य ठीक नहीं किया। अब उनको बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। आने वाले दो महीने में कूड़ा उठाने के लिए नए लोगों को टेंडर दिया जाएगा। घर-घर से कूड़ा उठाया जाएगा। कूड़ा उठाने के लिए नई व्यवस्था लागू की जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया की फरीदाबाद आने वाले कुछ महीनों में सुंदर शहर बनने की प्रक्रिया में नजर आने वाला है। फरीदाबाद के सभी चौक-चौराहों का सौंदर्यीकरण जारी है जिसके तहत रंग बिरंगी लाईट, नई आकृति देना और कैमरे लगेंगे। ओल्ड फरीदाबाद में नया अस्पताल बन रहा है।

पृष्ठ एक का शेष

वक्फ कानून : सिलचर...

चामरागुडम, बेरेंगा और पुराने लखीपुर रोड इलाके शामिल हैं। विरोध रैली आज सुबह शुरू हुई और शुरू में शांतिपूर्ण रही। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां ले रखी थीं और नारे लगा रहे थे कि यह अधिनियम *इस्लाम विरोधी* है, अगर इसे वापस नहीं लिया गया तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे। बाद में कुछ उपद्रवी रैली में शामिल हो गए और पुलिस पर पत्थरबाजी शुरू कर दी। कछार पुलिस प्रमुख नुमाल महंत ने कहा कि पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए भारी बल का प्रयोग किया। उन्होंने बताया कि पहले तो शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन किया जा रहा था। लेकिन कुछ उपद्रवी रैली में घुस आए और कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा करने की कोशिश की। लेकिन हमने स्थिति को नियंत्रित कर लिया। वक्फ संशोधन एक्ट के विरोध में करीब 300-400 लोग इकट्ठा हुए थे। शांति भंग करने की कोशिश करने वाले सभी अपराधियों पर कानून के तहत आरोप लगाए जाएंगे। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि उन्होंने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया था और पथराव की निंदा की। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा कि हमने सिलचर में वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ शांतिपूर्ण रैली आयोजित की। हम इस कानून का विरोध करते हैं क्योंकि यह इस्लाम विरोधी है। हम पथराव की घटना की निंदा करते हैं। हम पुलिस के खिलाफ नहीं हैं और पुलिस पर पत्थर फेंकने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। अगर पुलिस उनके खिलाफ कार्रवाई करती है, तो हमें खुशी होगी। मुख्यमंत्री हिमंत शर्मा ने कल कहा था कि वक्फ संशोधन कानून को लेकर असम में कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है और उन्होंने मुस्लिम समुदाय को धन्यवाद दिया। कल एक मीडिया ब्रीफिंग में मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून के खिलाफ कुछ विरोध प्रदर्शनों के बावजूद असम शांतिपूर्ण रहा है। उन्होंने असम पुलिस की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि हमें पहले से ही खुफिया जानकारी थी कि कल शुक्रवार की नमाज के बाद वक्फ कानून से संबंधित बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो सकते हैं। असम पुलिस ने पिछले 5 दिनों में बड़े पैमाने पर काम किया है। हमने अल्पसंख्यक नेताओं से बात की और सुनिश्चित किया कि असम में हिंसा की कोई घटना न हो। देश के कई हिस्सों में मुसलमान वक्फ संशोधन एक्ट के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हिंसक हो जाने के बाद तीन लोगों की मौत हो गई है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि शांति बनाए रखने के लिए केंद्रीय बलों को तैनात किया जाए। त्रिपुरा में वक्फ एक्ट के खिलाफ पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प के दौरान कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। वक्फ संशोधन एक्ट देश में वक्फ संपत्तियों को नियंत्रित करने वाले कानून में महत्वपूर्ण बदलाव करता है। सत्तारूढ़ भाजपा इस बात पर जोर देती है कि इस कानून का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को सुव्यवस्थित करना और पारदर्शिता को बढ़ावा देना है। वहीं विपक्ष और मुस्लिम संगठनों ने केंद्र पर वक्फ संपत्तियों पर नजर रखने और अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

कछार में निषेधाज्ञा ...

और *सार्वजनिक शांति में संभावित व्यवधान* को रोकना है। जिला मजिस्ट्रेट मृदुल यादव ने पुलिस अधीक्षक नुमाल महत्ता द्वारा विरोध प्रदर्शन पर प्रस्तुत रिपोर्ट की समीक्षा के बाद यह आदेश जारी किया। विरोध प्रदर्शन दोपहर में चार गोदाम में हिंसक हो गया। पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर रोक लगाने के अलावा, आदेश में रैलियों, हड़तालों, धरनों और प्रदर्शनों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है, जब तक कि आधिकारिक रूप से अनुमति न दी जाए। विरोध रैली - जो कथित तौर पर बिना पूर्व अनुमति के आयोजित की गई थी - शांतिपूर्ण तरीके से शुरू हुई, लेकिन उस समय हिंसक रूप ले लिया जब प्रदर्शनकारियों के एक वर्ग की मौके पर तैनात पुलिस के साथ झड़प हो गई। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज किया, क्योंकि कुछ प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर पथराव करना शुरू कर दिया था। झड़प के दौरान कुछ पुलिसकर्मियों के घायल होने की खबर है। एसपी महत्ता ने कहा कि भीड़ को तितर-बितर करते समय कुछ लोगों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। हमने संयम बरता और व्यवस्था बहाल करने के लिए न्यूनतम बल का इस्तेमाल किया। रैली बिना पूर्व अनुमति के आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि अपराधियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी और गहन जांच चल रही है। पंचायत चुनाव से पहले हुई इस घटना से क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है।

राज्य में साल भर ...

को मंजूरी दी है। शर्मा ने कहा कि समारोह की योजना बनाने के लिए उनकी अध्यक्षता में 50 सदस्यीय समिति बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के दूसरे सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी समिति का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उद्घाटन तथा समापन समारोह गुवाहाटी या नई दिल्ली में आयोजित किए जाएंगे और प्रधानमंत्री तथा राष्ट्रपति को निमंत्रण भेजे जाएंगे। अरुणाचल प्रदेश, कोलकाता और मुंबई में भी स्मृति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अरुणाचल प्रदेश में हजारिका ने अपने जीवन के शुरुआती साल बिताए थे जबकि वह काफी समय तक कोलकाता में भी रहे थे। मुंबई में उन्होंने अपने अंतिम वर्ष बिताए थे।

वक्फ कानून के ...

स्वीकार नहीं किया जाएगी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सिंह ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करने पर भी सवाल खड़ा किया। उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा कि पर्याप्त संख्या होने के बावजूद भी भाजपा सरकार क्यों नहीं बना रही है। उन्होंने कहा कि हम मणिपुर में राष्ट्रपति शासन के पक्ष में नहीं हैं। लोकतांत्रिक सरकार का प्रतिनिधित्व विधायकों द्वारा किया जाता है। राष्ट्रपति शासन लागू करना दर्शाता है कि वे राज्य पर शासन नहीं कर सकते और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सक्षम नहीं हैं। अब भी, उनके (भाजपा के) पास सरकार बनाने के लिए पर्याप्त संख्या है। लेकिन हमें नहीं पता कि इसकी अनुमति क्यों नहीं दी गई। तीन बार के मुख्यमंत्री रह चुके सिंह ने कुकी समुदाय से अपील की कि वह चूड़ाचांदपुर जिले में थांगजिंग पहाड़ियों पर मैतेई लोगों की वार्षिक तीर्थयात्रा के विरोध पर पुनर्विचार करें। उन्होंने कहा कि चाहे कुकी हों, नागा हों, मुस्लिम हों या मैतेई हों, हम मणिपुर में अनादि काल से एक साथ रह रहे हैं। एक न एक दिन हमें एक साथ रहना ही होगा। हम सभी मणिपुरी हैं। उन्होंने कहा कि हम अवैध प्रवासियों के पक्ष में नहीं हैं। लेकिन स्वदेशी लोगों को एक साथ रहना होगा।

मुर्शिदाबाद से डर...

हम इलाके को छोड़ दें। हमारी जान को खतरा था, इसलिए हमने केंद्रीय बलों की मदद से घर छोड़ा। एक बुजुर्ग महिला ने रोते हुए कहा कि हमने हाथ जोड़कर हमलावरों से माफी मांगी, जबकि हमने कुछ गलत नहीं किया था। वे हथियार लहराकर हमारे घरों में घुसे और हमें मारते-पीटते रहे। हम जैसे-तैसे कुछ सामान लेकर नदी पार कर भाग निकले। वरना हम मारे जाते। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के अनुसार कि धूलियन से करीब 400 हिंदू नागरिक डर के मारे भागकर भागीरथी नदी पार कर मालदा जिले के बैष्णवनगर इलाके में पहुंचे हैं। उन्हें पर लालपुर हाई स्कूल में ठहराया गया है। उन्होंने राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति से कट्टरपंथी ताकतों का हौसला बढ़ा है। उन्होंने केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि पीड़ितों को सुरक्षित वापस लाने की व्यवस्था की जाए। वहीं मालदा प्रशासन की ओर से, पीड़ितों के लिए स्कूलों में ठहरने की व्यवस्था, खाने-पीने की सुविधा, नदी किनारे 20 युवकों की तैनाती, जो नावों से आने वालों की मदद कर रहे हैं। कालीचक तीन के बीडीओ सुकांत सिकदर ने बताया कि शनिवार दोपहर तक धीरे-धीरे लोग आ रहे थे, लेकिन बाद में संख्या बढ़ी है। बाइस्नबनगर की टीएमसी विधायक चंदना सरकार ने कहा कि प्रशासन और स्थानीय लोग मिलकर हर संभव मदद कर रहे हैं। मालदा में एक स्वयंसेवी संगठन के सदस्य ने बताया कि अब तक 40 से 50 नावों में लोग धूलियन, सुईटी और जंगीपुर जैसे इलाकों से आए हैं। इन सभी को कालीचक तीन ब्लॉक के पल्लरपुर गांव में सुरक्षित स्थानों पर रखा गया है। उन्होंने कहा, यहां वे पूरी तरह सुरक्षित हैं।

ईरान के आगे झुका...

टीवी को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि बातचीत अप्रत्यक्ष रूप से जारी रहेगी। ओमान मध्यस्थ बना रहेगा, लेकिन हम भविष्य की वार्ता की जगह पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि वार्ता केवल *परमाणु मुद्दे और प्रतिबंधों को हटाने* पर केंद्रित होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वार्ता शुरू होने से पहले ईरान को धमकी दी है कि अमेरिका ईरान के साथ डील चाहता हैं, ट्रंप का कहना है कि हम चाहते हैं कि ईरान के परमाणु ताकत न हो अगर हम इस डील पर नहीं पहुंचते हैं, तो ईरान के लिए परिणाम बुरे होंगे। साथ ही उन्होंने ईरान पर हमले करने की धमकी दी, जिनका नेतृत्व इजराइल करेगा।

राभा-हासोंग के नए ...

100 फुट ऊंची प्रतिमा स्थापित करने का संकल्प लिया। शर्मा ने कहा कि जिस तरह हमने लछित बरफुकन की प्रतिमा स्थापित की है, उसी तरह हम राजा दोदान की भी प्रतिमा स्थापित करेंगे। मेरी इच्छा मुगलों को हराने वाले राजाओं को सम्मान देने की है। मुख्यमंत्री ने परिषद के लिए कई प्रमुख पहलों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की, जिनमें परिषद क्षेत्र के अंतर्गत प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए समर्पित बजट और अलग-अलग वित्तीय अनुदान का आबंटन शामिल है। उन्होंने आगे कहा कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए राभा हासोंग स्वायत्त परिषद, राज्य सरकार और केंद्र को शामिल करते हुए त्रिपक्षीय चर्चा की योजना बनाई गई है। शर्मा ने दोहराया कि हम राभा लोगों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह के साथ त्रिपक्षीय चर्चा करेंगे। राभा समुदाय की चिंताओं को सीधे संबोधित करने वाली यह पहली ऐसी वार्ता होगी। एक महत्वपूर्ण आश्वासन में, मुख्यमंत्री शर्मा ने घोषणा की कि आरएचएसी क्षेत्र के बाहर रहने वाले राभा लोगों के लिए एक अलग स्वायत्त परिषद की लंबे समय से चली आ रही मांग 15 अगस्त से पहले हल कर दी जाएगी। उन्होंने राभा हासोंग स्वायत्त परिषद क्षेत्र से संबंधित सभी मुद्दों को हल करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

बंगाल के सीमावर्ती ...

में हिंदुओं पर बार-बार हमले हो रहे हैं। पश्चिम बंगाल की पुरुलिया लोकसभा सीट से सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो ने गृह मंत्री को भेजे पत्र में लिखा कि बंगाल के कई जिलों में, खासकर मुर्शिदाबाद में हालात बेहद चिंताजनक हैं। कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है और हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। तुष्टिकरण की राजनीति के चलते टीएमसी सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। सांसद ने दावा किया कि मुर्शिदाबाद जिले में ही हिंदू समुदाय की 86 से ज्यादा दुकानों और मकानों में लूटपाट और तोड़फोड़ हुई है। ऐसी ही घटनाएं माल्दा, नादिया और दक्षिण 24 परगना में हुई हैं। यहां बार-बार सांप्रदायिक दंगे हो रहे हैं। विपक्षी नेताओं को हिंसा प्रभावित इलाकों में जाने नहीं दिया जा रहा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने दखल दिया है और उसके बाद हिंसा प्रभावित इलाकों में केंद्रीय बलों की तैनाती हो सकी है। इससे राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। सांसद ने लिखा कि बंगाली हिंदू वैसा ही डर और हिंसा झेल रहे हैं, जैसी 1990 में कश्मीरी पंडितों ने झेली थी। अगर हमने अभी कदम नहीं उठाए तो इतिहास फिर से दोहराया जा सकता है, लेकिन इस बार ये घाटी में नहीं बल्कि बंगाल में होगा। सांसद ने राज्य के सीमावर्ती जिलों खासकर मुर्शिदाबाद, माल्दा, नादिया और दक्षिण 24 परगना में अफस्पा कानून 1958 को लागू करने की मांग की।स्नस्क्क कानून के तहत सशस्त्र बलों की अशांत क्षेत्रों में तैनाती होती है। इस कानून के तहत सशस्त्र बलों को कानून के उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को मारने, गिरफ्तारी करने और वॉरंट के बिना किसी भी परिसर की तलाशी लेने के अधिकार मिल जाते हैं। और साथ ही केंद्र सरकार की स्वीकृति के बिना अभियोजन एवं कानूनी मुकदमों से सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

यूक्रेन-रूस युद्ध ...

स्टीव विटकाफ ने सलाह दी थी कि यदि अमेरिका यूक्रेन बंटवारे वाली रूस की शर्त मान लेता है तो युद्ध विराम संभव है। इस बयान को लेकर खलबली देखी गई थी। लेकिन अब डोनाल्ड ट्रम्प के हाल के बयान के बाद इसे अमेरिका की ओर से एक तरह के यूक्रेन-रूस युद्ध के मुद्दे पर उनका पक्ष माना जा रहा है। रायटर्स के मुताबिक रूस ने 2022 में यूक्रेन के पूर्वी हिस्से के चार क्षेत्रों पर नियंत्रण के लिए विलय की कोशिश की थी।

मप्र प्राथमिक साख...

से वित्तीय सहयोग भी उपलब्ध कराया जाएगा। किसानों को दुग्ध उत्पादन का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर गतिविधियां संचालित करनी होंगी। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन और उसकी प्रोसेसिंग से विभिन्न उत्पाद निर्मित कर किसानों की आय बढ़ाने की ओर एनडीडीवी और राज्य सरकार एक साथ अग्रसर होंगे। यह रास्ता अभी टू-लेन है, जिसे 6 लेन में विस्तारित करना होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में कृषि, पशुपालन और सहकारिता के क्षेत्र में कार्य करने की अपार संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साढ़े तीन साल में सहकारिता क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। पैक्स के सशक्तीकरण, डेयरी क्षेत्र को प्रोत्साहन, उत्पादन के क्षेत्र में सहकारिता, गतिविधियों के विस्तार, नगरीय सहकारी बैंक, जिला सहकारी बैंक और ग्रामीण बैंकों के सुचारू संचालन की व्यवस्था की ओर विशेष ध्यान दिया गया। केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय ने गठन के बाद सबसे पहले प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के लिए मॉडल बायलॉज विकसित कर उन्हें राज्यों के साथ साझा किया। यह प्रसन्नता का विषय है कि संपूर्ण भारत में यह बायलॉज को लागू किया जा चुका है। उन्होंने मॉडल बायलॉज को अपनाने के लिए सभी राज्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस कदम से सहकारिता आंदोलन को नया जीवन प्राप्त हुआ है। सहकारी समितियां अब पेट्रोल पम्प व गैस एजेंसी संचालन, रेलवे टिकट बुकिंग, बिल जमा करने जैसी गतिविधियां भी संचालित कर रही हैं। एक समय था जब पैक्स केवल कम अवधि के लिए कृषि ऋण उपलब्ध कराते थे जिसमें उन्हें केवल आधा प्रतिशत लाभ होता था। वर्तमान में पैक्स 30 से अधिक गतिविधियों में संलग्न है इससे उनकी आय भी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में सहकारिता आंदोलन धीरे-धीरे मृत प्राय: होता जा रहा था। पूरे देश में सहकारिता आंदोलन का परिदृश्य भिन्न-भिन्न था। छह राज्यों में सहकारिता आंदोलन गति पर पकड़ चुका है, कुछ जगह इसका सरकारीकरण हुआ, परंतु कुछ जगह इसे नुकसान भी हुआ। इस स्थिति का मूल कारण यह था कि समय के साथ कानूनों में जो बदलाव होना चाहिए थे वे नहीं हुए। संवैधानिक व्यवस्था में सहकारिता राज्यों का विषय है, बदलती परिस्थितियों के अनुरूप कानून में बदलाव नहीं किया गया और न ही कानून बनाए गए। देश की राजनीतिक- भौगोलिक स्थिति, ग्रामीण, कृषि विकास और पशुपालन के आयाम पर समग्रता में केंद्रीय स्तर पर कभी विचार नहीं किया गया। यह संभव भी नहीं था, क्योंकि केंद्रीय स्तर पर कोई सहकारिता मंत्रालय था ही नहीं। आजादी के 75 साल बाद प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय स्तर पर सहकारिता मंत्रालय स्थापित किया। उन्होंने कहा कि प्राथमिक सहकारी संस्थाओं को सशक्त करने के लिए त्रि-स्तरीय सहकारी व्यवस्था को सुदृढ़ करना आवश्यक है। प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति और डेयरी व मछुआरा गतिविधियों को जोड़कर एम-पैक्स बनाने का कार्य नए बायलॉज द्वारा संभव हो सका। इसके साथ ही केंद्र सरकार द्वारा 2500 करोड़ की राशि से सभी पैक्स का कंप्यूटराइजेशन किया गया। अब पैक्स, जिला सहकारी बैंक, राज्य व सहकारी बैंक के साथ-साथ नाबार्ड से भी जुड़े हैं। इसके साथ ही इनके ऑनलाइन ऑडिट की भी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। किसानों की सुविधा के लिए स्थानीय भाषा में कार्य के लिए सॉफ्टवेयर विकसित किया गया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर तीन नई किसान सहकारी समितियां का गठन किया गया। किसानों के उत्पाद को ग्लोबल मार्केट में स्थान मिले, इसके लिए एक्सपोर्ट को-ऑपरेटिव बनाया गया, ऑर्गेनिक को-ऑपरेटिव का गठन किया गया। ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स को प्रोत्साहित किया जा सके और किसानों को उनकी उपज का अधिक मूल्य दिलवाने के उद्देश्य से यह पहल की गई। यह दोनों संस्थाएं अगले 20 साल में अमूल से भी बड़ी संस्थाओं के रूप में आकर लेंगी। किसानों को बीज उत्पादन से जोड़ने के लिए बीच सहकारिता के अंतर्गत ढ़ाई एकड़ वाले किसानों को भी मान्यता दी गई। इन सहकारी गतिविधियों से होने वाली आय सीधे किसानों के खातों में आएगी उसका मुनाफा किसानों को मिलेगा, व्यापारी को नहीं। साथ ही सहकारिता में प्रशिक्षण के लिए सहकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना भी की गई है। उन्होंने कहा कि किसानों द्वारा खुले बाजार में दूध बेचने पर उचित दाम नहीं मिलता है अत: प्रत्येक गांव के किसानों को अधिक से अधिक संख्या में डेयरी के साथ जोड़कर दूध के विभिन्न उत्पाद निर्मित करने का लक्ष्य निर्धारित करना होगा। दूध से दही, मट्ठा, छाछ, पनीर, चीज का निर्माण हो और इसका मुनाफा किसानों को मिले यह व्यवस्था सुनिश्चित करना आवश्यक है। इसके लिए दूध का उत्पादन बढ़ाने, पशुओं की नस्ल सुधारने और दूध के संकलन के लिए बेहतर नेटवर्क विकसित करने की आवश्यकता है। इन गतिविधियों में आज हो रहे अनुबंध महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे। समारोह में केंद्रीय मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और मध्य प्रदेश डेयरी फेडरेशन के मध्य अनुबंधों का आदान प्रदान हुआ। समारोह को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा और पशुपालन मंत्री लखन पटेल ने भी संबोधित किया।

आंध्र के पटाखा...

है और कई अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि घायलों को इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री नायडू ने अनिता और जिला अधिकारियों को निर्देश दिया है कि घायलों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जाए। वहीं आंध्र प्रदेश सीएमओ की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने अनकापल्ली जिले में एक पटाखा निर्माण इकाई में हुए विस्फोट में आठ श्रमिकों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और राज्य की गृह मंत्री अनिता से फोन पर बात कर घटना की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि घायलों को सर्वोत्तम संभव चिकित्सा सुविधा मिले। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार पीड़ितों के परिवारों की मदद करे। उन्होंने अधिकारियों को घटना की गहन जांच करने और उन्हें एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि घायल श्रमिकों में से दो की हालत गंभीर है। पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआरसीपी प्रमुख ने भी घटना पर दुख प्रकट किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री हिमंत ने जीत अडानी के साथ समूह की 50,000 करोड़ रुपए की निवेश योजना को आगे बढ़ाने पर बैठक की

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने फरवरी में गुवाहाटी में आयोजित व्यापार शिखर सम्मेलन के दौरान राज्य के लिए प्रस्तावित समूह की 50,000 करोड़ रुपए की निवेश योजना को आगे बढ़ाने के लिए रविवार को अडानी समूह के निदेशक जीत अडानी के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार को उम्मीद है कि अडानी समूह द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के लिए दिए गए प्रस्ताव शीघ्र ही वास्तविकता बन जाएंगे। शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि एडवांटेज असम2 के दौरान, अडानी समूह ने 50,000 करोड़ रुपए के निवेश की प्रतिबद्धता जताई थी। आज मेरे वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हमने इस प्रतिबद्धता को कार्यान्वित करने के लिए अडानी समूह के निदेशक जीत अडानी और उनकी टीम के साथ गहन बैठक की। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि एयरो-सिटी, होटल, सीमेंट संयंत्र और प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकास में महत्वपूर्ण निवेश से संबंधित जिन समझौता ज्ञापनों पर हमने हस्ताक्षर किए हैं, वे जल्द ही शुरू हो जाएंगे।

अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने फरवरी में एडवांटेज असम 2.0 बिजनेस समिट के उद्घाटन समारोह में अपने संबोधन के दौरान घोषणा की थी कि समूह राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में 50,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। चेयरमैन ने भारत भर में निवेश-संचालित विकास को बढ़ावा देने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के माध्यम से गुजरात के आर्थिक परिवर्तन की तुलना करते हुए, उन्होंने असम जैसे राज्यों को विकास के समान पथ पर चलने के लिए प्रेरित करने में ऐसी पहलों की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम प्रगति के इस विजन का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हैं। इसलिए, आज मैं बहुत गर्व के साथ घोषणा करता हूं कि अडानी समूह असम में 50,000 करोड़ रुपए निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, विशेष रूप से पवित्र कामाख्या मंदिर और राजसी ब्रह्मपुत्र नदी की प्रशंसा करते हुए, गौतम अडानी ने कहा कि जिस तरह विशाल नदी ब्रह्मपुत्र ने अपना रास्ता बनाने के लिए इस राज्य के परिदृश्य को नया आकार दिया, उसी तरह हमारे माननीय प्रधान मंत्री के विजन ने हम सभी के लिए संभावनाओं के परिदृश्य को नया आकार दिया है। इस निवेश से असम के आर्थिक विकास में तेजी आने, रोजगार के अवसर पैदा होने और राज्य को भारत के आर्थिक परिदृश्य के एक मजबूत हिस्से के रूप में स्थापित करने की उम्मीद है।

असम के मुकुंद सैकिया बरभुइयां जापान में सत्रिया नृत्य प्रस्तुत करेंगे

गुवाहाटी। असम और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए गौरव का क्षण है, माजुली के ऐतिहासिक उत्तर कमलाबाड़ी सत्र के एक प्रतिष्ठित वैष्णव मुकुंद सैकिया बरभुइयां, जापान के ओसाका में विश्व एक्सपो 2025 में सदियों पुराना सत्रिया नृत्य प्रस्तुत करेंगे। सत्रिया नृत्य, असम का एक शास्त्रीय नृत्य रूप है, जिसे 15वीं शताब्दी में नव-वैष्णव संत और सुधारक श्रीमंत शंकर देव ने शुरू किया था। इसे वैष्णव धर्म को फैलाने के एक माध्यम के रूप में देखा गया था और तब से इसे असम के सत्र (मठवासी संस्थानों) के भीतर संरक्षित और प्रस्तुत किया जाता रहा है। बरभुइयां जैसे समर्पित कलाकारों की पीढ़ियों के माध्यम से यह भक्ति कला रूप फल-फूल रहा है। श्रीमंत शंकर देव और उनके शिष्य माधव देव दोनों की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक शिक्षाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए, मुकुंद सैकिया बरभुइयां का जापान में प्रदर्शन केवल एक नृत्य से कहीं अधिक है- यह असमिया संस्कृति की जीवंत विरासत का प्रदर्शन है। उनकी भागीदारी भारत भर से 25 कलाकारों के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा है, जिसमें असम के तीन कलाकार शामिल हैं, जिन्हें प्रतिष्ठित वैश्विक कार्यक्रम में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है। ओसाका में होने वाला वर्ल्ड एक्सपो 2025, संस्कृति, नवाचार और आदान-प्रदान का वैश्विक संगम होने का वादा करता है। उगते सूरज की भूमि जापान दुनिया की मेजबानी के लिए तैयार है, ऐसे में बरभुइयां के प्रदर्शन से भारत के पूर्वोत्तर की समृद्ध आध्यात्मिक परंपराओं और कलात्मक उत्कृष्टता पर प्रकाश पड़ने की उम्मीद है।

पंचायत चुनाव से पहले : कांग्रेस, भाजपा में हिंसा और टिकट के लिए पैसे के विवाद पर आरोप-प्रत्यारोप

गुवाहाटी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता रिपुन बोरा ने रविवार को पंचायत चुनावों के दौरान कथित राजनीतिक हिंसा की कड़ी निंदा की और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कांग्रेस उम्मीदवारों के खिलाफ धमकाने की रणनीति अपनाने का आरोप लगाया। गुवाहाटी के राजीव भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए बोरा ने आरोप लगाया कि चुनावों को लेकर भाजपा की बढ़ती हताशा- और टिकट वितरण को लेकर आंतरिक कलह-ने कई क्षेत्रों में अशांति पैदा कर दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले भाजपा अति आत्मविश्वास में थी, लेकिन अब जनता के मूड में बदलाव को देखते हुए उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवारों को डराने-धमकाने का सहारा लिया है। भाजपा ने हमारे कार्यकर्ताओं को चुनाव प्रचार से दूर रखने के लिए अपने पसंदीदा गुंडों के जरिए हिंसा फैलाई है। सामागुड़ी, गोहपुर और नादुआर में कथित चुनावी हिंसा की घटनाओं का हवाला देते हुए बोरा ने कहा कि कुछ इलाकों में नामांकन पत्र फाड़ दिए गए; अन्य जगहों पर हमारे उम्मीदवारों पर हमला किया गया। अगर कांग्रेस का इन जगहों पर कोई आधार नहीं है, तो भाजपा हमारे उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करने से क्यों रोक रही है? उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि अब तक ऐसी घटनाओं के संबंध में तीन प्राथमिकी दर्ज की गई हैं, लेकिन चुनाव आयोग ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। पार्टी टिकटों के लिए पैसे के लेन-देन के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए बोरा ने कहा कि हमेशा आरोप लगते रहेंगे, लेकिन कांग्रेस हर मुद्दे को गंभीरता से लेती है और उम्मीदवारों के नाम तय करने से पहले विस्तृत चर्चा करती है। धुबड़ी में कथित तौर पर टिकट के बदले नकदी विवाद को लेकर बढ़ते विरोध के बीच शनिवार को कांग्रेस ने क्षति नियंत्रण की कोशिश शुरू कर दी।

टीयोक के उरूका बाजार में उमड़ी भीड़, बिहू की तैयारी जोरों पर

जोरहाट (हिंस)। आज रंगाली बिहू के उरूका के अवसर पर टीयोक के साप्ताहिक बाजार में विशेष चहल-पहल देखी गई। इस पारंपरिक पर्व की तैयारी के लिए जरूरी हर वस्तु बाजार में उपलब्ध रही। गोरू बिहू के अवसर पर उपयोग होने वाली स्थानीय सब्जियां जैसे लौकी, बैगन, करेला, ठेकेरा से लेकर माह-हल्दी, दीघलती माखियती, चावल, दही और दूध तक हर वस्तु की आज भरमार रही। बाजार में आज हर सामान की कीमत में थोड़ी बढ़ोतरी देखी गई, लेकिन इसके बावजूद लोगों ने खरीदारी में कोई कंजूसी नहीं की। ग्राहक उल्लास के साथ खरीदारी करते नजर आए। टीयोक बाजार हमेशा से स्थानीय उत्पादों के लिए जाना जाता है और आज भी स्थानीय विक्रेता सुबह-सवेरे अपने खेतों में उगाए गए उत्पाद लेकर बाजार पहुंचे। हालांकि, बाजार में बाहरी जिलों से आए उत्पादों में बढ़ोतरी हुई है, जिससे स्थानीय उत्पादों के दाम गिर गए हैं। इसका सीधा असर स्थानीय किसानों पर पड़ा है और उनमें मायूसी का माहौल है। इसी बीच, कुछ ग्राहकों ने यह भी कहा कि आज की युवा पीढ़ी खेती की ओर ध्यान दे रही है और घर पर ही खाद्य सामग्री उगाकर बाजार में बेच रही है। यह आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सकारात्मक पहल है, जिसे सभी ने सराहा है।

मार्घेरिटा विधानसभा क्षेत्र के दो भाजपा पंचायत उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

तिनसुकिया (हिंस)। असम के तिनसुकिया जिले के मार्घेरिटा विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो क्षेत्रीय पंचायत पदों के उम्मीदवारों को बिना किसी प्रतिद्वंदिता के निर्वाचित घोषित किया गया है। इन दोनों सीटों पर किसी भी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया, जिसके कारण दोनों भाजपा उम्मीदवारों की निर्विरोध जीत सुनिश्चित हो गई। निर्वाचित उम्मीदवारों में लिडु गांव पंचायत से मंजुरी भराली नाथ और कुमारपट्टी गांव पंचायत से राजेन्द्र राय शामिल हैं। दोनों उम्मीदवारों ने भाजपा के प्रत्याशी के रूप में अपने-अपने क्षेत्रों से नामांकन पत्र दाखिल किए थे, लेकिन नामांकन की अंतिम तिथि तक उनके खिलाफ किसी अन्य दल या निर्दलीय प्रत्याशी ने भी पर्चा दाखिल नहीं किया। इसके चलते चुनाव आयोग ने उन्हें निर्विरोध विजेता घोषित कर दिया। यह भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है, क्योंकि यह स्थानीय स्तर पर पार्टी की मजबूत पकड़ और जनता के बीच उसके बढ़ते समर्थन को दर्शाता है। स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच इस जीत को लेकर हर्ष का माहौल है। पार्टी नेताओं ने दोनों विजयी उम्मीदवारों को बधाई देते हुए भरोसा जताया है कि वे अपने-अपने पंचायत क्षेत्रों में विकास कार्यों को प्राथमिकता देंगे और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे।

मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा के नए कार्यालय का उद्घाटन

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन की कामरूप शाखा के आठगांव स्थित वृंदावन मार्केट के प्रथम तल्ले में नए कार्यालय का उद्घाटन प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, प्रांतीय महामंत्री रमेश चांडक, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) विनोद लोहिया ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, सचिव संजय खेतान, कोषाध्यक्ष उमाशंकर गट्टानी के अलावा प्रांतीय संगठन मंत्री मनोज काला, मंडलीय उपाध्यक्ष सुशील गोयल, प्रांतीय निवर्तमान कोषाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष शंकर बिडला और महिला शाखा की अध्यक्ष संतोष शर्मा उपस्थित थी। इस अवसर पर बोलते हुए प्रांतीय अध्यक्ष ने कहा कि गुवाहाटी में ही नहीं पूर्वोत्तर में मारवाड़ी सम्मेलन की शाखा का यह दूसरा अपना निजी कार्यालय का उद्घाटन आज हुआ है। इससे पहले गुवाहाटी शाखा ने अपनी निजी कार्यालय का शुभारंभ कर दिया था। पूर्वोत्तर में सिर्फ गुवाहाटी और कामरूप शाखा के पास ही अपने निजी कार्यालय हैं। इससे यह प्रतीत होता है कि गत 2 वर्षों में शाखोंओ ने किस तरह से अग्र गति प्राप्त की है। इससे पहले कामरूप शाखा के संस्थापक अध्यक्ष संपत मिश्र ने विधि विधान से पूजा-अर्चना कर आरती की। इस अवसर पर कामरूप शाखा की प्रथम महिला सुनीता गुप्ता के अलावा अन्य कई सदस्य उपस्थित थे।

अंगदान जागरूकता अभियान पर निकले बाइक राइडर पीएस रंधावा पहुंचे गुवाहाटी

गुवाहाटी। हरि ओम् स्माइल्स और लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी अर्पण की ओर से अंगदान जागरूकता अभियान चला रहे सोलो बाइक राइडर पीएस रंधावा का गुवाहाटी पहुंचने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। श्री रंधावा देहरादून से ऑल इंडिया सोलो राइड पर निकले हुए हैं और पूरे देश में अंगदान का संदेश जन जन तक पहुंचा रहे हैं। इस अवसर पर उन्हें टोकन ऑफ लव स्वरूप एक विशेष भेंट देकर सम्मानित किया गया। बेलतला गुरुद्वारे में आयोजित समारोह के दौरान उन्होंने अंगदान के महत्व पर विस्तार से चर्चा की और समाज से इस पुनीत कार्य में भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा, अंगदान एक महादान है, जिससे किसी जरूरतमंद को नया जीवन मिल सकता है। मृत्यु के बाद अपने अंगों को दान करने का संकल्प लें, ताकि किसी और को जीवनदान मिल सके। सम्मान समारोह में निशा गुप्ता और पायल भरतिया ने पारंपरिक दुपट्टा पहनाकर श्री रंधावा का से स्वागत किया। लायंस क्लब की ओर से बताया गया कि सेवा ही परम धर्म है और यह आयोजन उसी भावना का प्रतीक है। इस सम्मान समारोह में हरि ओम स्माइल्स से अरुण गुप्ता, रीतू

जिंदल तथा वंशिका गुप्ता और लायंस अर्पण की अध्यक्ष संगीता राशिवासिया, सचिव लीला लाहोटी, रितु सिकरिया तथा साधना छावछरिया उपस्थिति रही। हरि ओम् स्माइल्स की ओर से श्रीमती निशा गुप्ता और रीतू जिंदल ने कहा कि आप सभी जानते हैं, हमारी पूज्य गुरु मां मोनिका सिंघल की प्रेरणा से एक राष्ट्रव्यापी मुहिम- *कृतम अंग प्रदान करना* कार्य चल रहा है। इस अभियान का उद्देश्य है उन लोगों को नया जीवन देना, जो किसी शारीरिक अक्षमता के कारण जीवन से निराश हो चुके हैं। हम उन्हें यह विश्वास दिलाना चाहते हैं कि वे अकेले नहीं हैं। समाज, सेवा और संस्कार उनके साथ हैं। इस प्रेरणादायक आयोजन ने न सिर्फ अंगदान के महत्व को उजागर किया, बल्कि समाज को सेवा और संवेदनशीलता की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

गुवाहाटी में आयोजित की जाएगी 12वीं सीनियर नेशनल रग्बी 7 चैंपियनशिप

गुवाहाटी। रग्बी इंडिया ने घोषणा की है कि 12वीं सीनियर रग्बी नेशनल चैंपियनशिप 2025, आगामी 23 अप्रैल से 29 अप्रैल 2025 तक गुवाहाटी के प्रतिष्ठित इंदिरा गांधी एथलेटिक्स स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। रग्बी के लिए सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में 26 राज्यों के 600 से अधिक एथलीट भाग लेंगे। असम में प्रतियोगिता की मेजबानी खेल के इतिहास में एक विशेष अवसर को चिह्नित करती है क्योंकि पहली बार प्रमुख प्रतियोगिता भारत के उत्तर पूर्व में आयोजित की जाएगी और इससे इस क्षेत्र में खेल के विकास को और बढ़ावा मिलेगा। इस विशेष अवसर पर बोलते हुए, रग्बी इंडिया के अध्यक्ष, राहुल बोस ने कहा कि असम खेलों के लिए देश के सबसे अग्रणी राज्यों में से एक बन गया है और हम असम सरकार के खेल और युवा कल्याण विभाग के आभारी हैं, जिन्होंने 12वीं सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित करने पर सहमति देकर असम में खेल को बढ़ावा देने के हमारे प्रयास में हमारा समर्थन किया है। इसके उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे और प्रसिद्ध आतिथ्य के साथ, हम 2025-26 के लिए अपने घरेलू कैलेंडर की शुरुआत करने के लिए इससे बेहतर मेजबान की उम्मीद नहीं कर सकते थे। इस घोषणा से राज्य के पूरे रग्बी समुदाय में उत्साह है। असम रग्बी एसोसिएशन के अध्यक्ष, रमेंद्र नारायण कलिता ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि असम की भूमि अविश्वसनीय खेल प्रतिभाओं से धन्य है और सही समर्थन के साथ इसमें रग्बी के खेल में एक पावरहाउस के रूप में उभरने की क्षमता है। नंदिता गार्लोसा ने कहा कि हम पूरे देश से रग्बी खिलाड़ियों का हमारे खूबसूरत राज्य में स्वागत करते हुए बहुत खुश हैं। रग्बी ओलंपिक के सबसे रोमांचक खेलों में से एक है और असम में इस प्रतियोगिता की मेजबानी करके हम असम में इस खेल के विकास को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे।

बंगाईगांव, नगांव और बिजनी में धूमधाम से मनाया गया श्री हनुमान जन्मोत्सव

बंगाईगांव/नगांव/बिजनी (विभास)। श्री हनुमान जन्मोत्सव समारोह समिति के तत्वाधान में श्री राम भक्त पवन पुत्र हनुमान जी का जन्मोत्सव तीन दिवसीय कार्यक्रमों के अंतर्गत बड़े धूमधाम से मनाया गया। प्रथम दिन 10 अप्रैल को श्री राम मंदिर, बड़ा बाजार के प्रांगण में अखंड रामायण पाठ का आयोजन हुआ। 11 अप्रैल को संगीतमय सुंदरकांड, हनुमान चालीसा एवं छप्पन भोग अर्पण किया गया। कार्यक्रम के तृतीय और अंतिम दिन 12 अप्रैल को बाबा का अभिषेक, पूजन एवं हवन किया गया। तत्पश्चात बाबा को सवामणी का महाभोग लगाया गया एवं पवन पुत्र की महा आरती उतारी गई जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। इसी दिन श्री हनुमान जी की एक विशाल शोभायात्रा विभिन्न झांकियां, नाम कीर्तन एवं भजन मंडलियों सहित बाबा की जय जयकार करते हुए श्री राम मंदिर बड़ा बाजार से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए बंगाईगांव रोलर फ्लावर मिल में प्रसाद वितरण के साथ संपन्न हुई। इस शोभा यात्रा में हजारों की संख्या में पुरुष, महिलाएं एवं बच्चे सम्मिलित हुए तथा बाबा की जय जयकार करते हुए हाथ में केसरिया ध्वज के साथ आगे बढ़ रहे थे मानो ऐसा प्रतीत हो रहा था की पूरा शहर बालाजी के रंग एवं भक्ति में सरोवर हो गया हो। शोभा यात्रा के दौरान रास्ते में विभिन्न लोगों एवं

संगठनों ने भक्तों के लिए पेयजल, शरबत, ठंडाई, आइसक्रीम आदि चीजों से सेवा दे रहे थे जिनमें श्री सालासर सेवा समिति चैरिटेबल ट्रस्ट, मारवाड़ी सम्मेलन एवं महिला शाखा, मारवाड़ी युवा मंच तथा जागृति शाखा आदि प्रमुख थे। उस समय वृहंगम दृश्य देखने को मिला जब रास्ते में भक्तों पर फूलों की अमृत वर्षा की। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मानो बरसाने में फूलों की होली खेली जा रही हो। शनिवार को शांय में तेरापंथ भवन में सवामणी महाप्रसाद का सामूहिक भोजन का कार्यक्रम था जिसमें हजारों भक्तों ने एक साथ पंगत में बैठकर बाबा का महा प्रसाद ग्रहण किया। श्री हनुमान जन्मोत्सव समारोह समिति की ओर से बंगाईगांव के सभी समाज बंधुओं एवं भक्तों को कार्यक्रम को सफल एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न करने के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। दूसरी तरफ शहर के विभिन्न मंदिरों विशेषकर बोओसी गेट स्थित श्री हनुमान मंदिर में भी विभिन्न कार्यक्रमों के साथ पवन पुत्र बालाजी का जन्मोत्सव पूरे उमंग के साथ मनाया गया जिसके अंतर्गत प्राण प्रतिष्ठा पूजन, अखंड रामायण पाठ, महा आरती, कीर्तन जागरण, अभिषेक, हवन यज्ञ, बाबा के महा प्रसाद का भोग एवं वितरण आदि शामिल है। **बिजनी** से हमारे संवाददाता के अनुसार श्री सालासर हनुमान मंदिर प्रांगण में बिजनी मारवाड़ी समाज के तत्वाधान हर्षोल्लास के साथ मनाया गया दो दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव। उक्त कार्यक्रम के द्वितीय दिवस प्रात: 8 बजे से बाबा की पूजा-अर्चना, भव्य आरती व ज्योत के साथ ही सवामणी महाप्रसाद का भोग लगाया गया तथा मंदिर प्रांगण में ही दिनभर सवामणी प्रसाद का अमृत भंडारा देर रात तक अविराम जारी रहा। भक्तजनों का सवामणी महाप्रसाद भोग का आनंद लेने का तांता लगा रहा। वही बाबा के दरबार में स्थानीय मारवाड़ी समाज की महिलाओं ने हनुमान चालीसा पाठ का वाचन किया। तत्पश्चात बाबा की संध्या भव्य आरती उतारी गई। संध्या आठ बजे से भजन संध्या का शुभारंभ किया गया। जिसमें स्थानीय कलाकार विवेक अग्रवाल की टोली ने भजनों के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा देर रात तक शमा बांधें रखा। इससे पूर्व स्थानीय मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष दिलीप कुमार अगरवाला ने द्वीप प्रज्ज्वलित करके भजनसंध्या कार्यक्रम का विधिवत श्रीगणेश किया। **नगांव** से हमारे संवाददाता के अनुसार जय श्री राम के गगनभेदी नारों के साथ रविवार को हैबरगांव के श्री हनुमान मंदिर परिसर से भव्य शोभा यात्रा जिला प्रशासन की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में भव्य रूप से निकली। शोभा यात्रा के संयोजक अजय मितल व उनकी टीम के अन्य सदस्यों क्रमश: पवन आलमपुरिया, शिवचरण पोद्दार, महेश भजनका, विनोद माहेश्वरी, संतोष गाड़ोदिया, संजय पोद्दार, जुगल मोर, पूजा माहेश्वरी, सुमिरन आलमपुरिया आदि के अथक प्रयासों से शोभयात्रा सफल हुई। इस शोभायात्रा में हजारों लोगों ने भाग लिया। श्री हनुमान जी के भक्त राम नाम की धुन के साथ हाथों में ध्वजा लेकर जिसमें महिलाएं पीली साड़ी और सफेद कुर्ता पयजामा में पैदल चलते नजर आए। राम नाम के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। असम से इस चार दिवसीय मेले में लोग शिरकत करने के लिए पहुंचते हैं और बड़ी संख्या में पवनपुत्र हनुमान को मनाते हुए सवामणि का भोग लगाते हैं। समिति के अध्यक्ष प्रह्लाद राय तोदी ने कहा कि इस मेले में आपसी भाईचारे का संदेश देते हुए सभी समाज के लोग शोभायात्रा में और विराट मेले में भाग लेते हैं। श्री तोदी ने फ्लैग ऑफ करके शोभायात्रा को रवाना किया। शोभायात्रा के मध्य वैष्णवी कला मंच मुरादाबाद से आमंत्रित राहुल कुमार एंड ग्रुप द्वारा प्रस्तुत सजीव झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। खासकर कर राम सेतु का लाइव प्रदर्शन की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। कई किलोमीटर तक शहर के प्रमुख मार्गो का भ्रमण करने निकली इस शोभायात्रा में शहर के कई समाजसेवियों ने शोभायात्रा में शामिल भक्तों की सेवार्थ ठंडे पेय शर्बत वितरित किए। समिति के प्रचार विभाग के सदस्य मुकेश पोद्दार व सुनील आलमपुरिया ने बताया कि समिति द्वारा शोभायात्रा के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए गए थे। शोभा यात्रा पहले से और विशाल हुई है और बड़ी संख्या में लोगों ने बच्चों सहित भाग लिया है। समिति के मंच पर शाम 6 बजे आरती के बाद असमीया नाम कीर्तन के बाद स्थानीय गायिका गुणगान बोरा व अन्य गायक कलाकारों ने सुमधुर भजन प्रस्तुत किए। इससे पहले शनिवार को संध्या हनुमान मेले के अस्थाई बने प्रवेश द्वार पर मंगलाचरण स्तुति के साथ श्री हनुमान जन्मोत्सव समारोह का उद्घाटन साहित्यिक खगेन नाथ ने किया।

संपादकीय

बड़ी कूटनीतिक जीत

लगभग डेढ़ दशक के प्रयासों के बाद, देश को दहला देने वाले मुंबई आतंकी हमले के सूत्रधार रहे पाकिस्तानी मूल के तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण हमारी बड़ी कानूनी व कूटनीतिक जीत है। यह सफलता तब ही पूर्ण मानी जाएगी जब इस साजिश में बड़ी भूमिका निभाने वाले डेविड कोलमैन हेडली का भारत प्रत्यर्पण हो सकेगा। जिसने मुंबई हमले से पूर्व आतंकियों द्वारा निशाने पर लिए गए जगहों की कई बार रेकी करके आतंकी सरगनाओं की मदद की थी। निश्चय की तहव्वुर राणा का भारत लाया जाना इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि जांच के बाद मुंबई आतंकी हमले में पाकिस्तान सरकार तथा आईएसआई की भूमिका व पाक स्थित आतंकी संगठनों के खतरनाक मंसूबों का खुलासा हो सकेगा। सही मायनों में यह हमारी खुफिया एजेंसियों की भी कठिन परीक्षा होगी कि इस साजिश की तह तक कैसे पहुंचा जाए। भारतीय खुफिया एजेंसियां से यदि इस बड़ी साजिश की कड़ियां सही तरह से जोड़ पायी तो आतंकवाद की उर्वरा भूमि बने पाकिस्तान को दुनिया के सामने बेनकाब किया जा सकेगा। यही वजह है कि 26/11 के दहला देने वाले मुंबई हमले के सूत्रधार तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पण करने के रास्ते अवरोध खड़े करने में प्रत्यक्ष-परोक्ष तौर पर पाक समर्थकों द्वारा कोशिशें की गई। वे सारे कानूनी उपाय अपनाए गए जो राणा का प्रत्यर्पण रोक सकते थे। बहरहाल, इस प्रत्यर्पण से उन शहीदों के परिजनों को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है, जिनकी इस आतंकी हमले में मृत्यु हुई थी। अब तक उनके परिजनों को इस बात का मलाल था कि सोलह साल बाद भी सभी अपराधियों को सजा नहीं मिली सकी है। साथ ही राणा की पूछताछ से होने वाले खुलासों से आतंकवाद की पाठशाला बने पाकिस्तान को अलग-थलग करने के प्रयासों को भी बल मिलेगा। निश्चित रूप से तहव्वुर राणा के खिलाफ भारतीय कानून व न्याय व्यवस्था के मानकों के अनुरूप ही कार्रवाई होगी। साथ ही अजमल कसाब की तरह उसकी अपनी बात कहने को कानूनी मदद भी दी जाएगी। हालांकि, अब तक पाकिस्तान मुंबई आतंकी हमले में अपना हाथ होने से लगातार इनकार करता रहा है, लेकिन सभी प्राथमिक सूचनाएं और ठोस सबूत पाक की तरफ इशारा करते रहे हैं। वहीं दूसरी ओर वह अपनी धरती पर कुख्यात आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के बड़े गुर्गों को संरक्षण देकर उनका बचाव करता रहा है। ऐसे में हमारी जांच एजेंसियों के अधिकारी तहव्वुर राणा से सख्त पूछताछ से सच्चाई सामने लाने में सक्षम हो सकते हैं। साथ ही ठोस निष्कर्षों के आधार पर पाकिस्तान पर दबाव बना सकता है कि वह अपनी जमीन आतंकवादियों को पालने-पोसने में इस्तेमाल न होने दे। इसके अलावा आतंकी संगठनों पर पर्याप्त दबाव बनाए, ताकि फिर मानवता के खिलाफ मुबई हमले जैसे घटनाक्रम न दोहराए जा सकें। बहरहाल, तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण पाकिस्तान तथा दूसरे देशों में भारत विरोधी गतिविधियां चला रहे लोगों व संगठनों के लिये साफ संदेश गया है कि इंसानियत के दुश्मन दुनिया के किसी भी कोने में कानून की ओट में बच नहीं सकते। साथ ही पाकिस्तान को आईना दिखा दिया गया है जो तहव्वुर राणा को कनाडा का नागरिक बताकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहा था। निश्चित रूप से इस सफलता में भारत के राजनीतिक व कूटनीतिक प्रयासों की भी बड़ी भूमिका रही है। भारतीय अधिकारियों ने इस दिन के लिये कड़ी मेहनत की। हालांकि, अभी इस रहस्य से पर्दा उठना बाकी है कि अमेरिका ने क्यों अपने नागरिक डेविड कोलमैन हेडली को भारत को सौंपने से परहेज किया। जबकि उसने इस बड़े अपराध में बड़ी भूमिका निभाई थी। हेडली व राणा आतंकी हमले को अंजाम देने वाले आतंकी संगठनों व पाक खुफिया एजेंसियों के संपर्क में लगातार बने रहे थे।

> आतंकी हमले के सूत्रधार रहे पाकिस्तानी मूल के तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण हमारी बड़ी कानूनी व कूटनीतिक जीत है। यह सफलता तब ही पूर्ण मानी जाएगी जब इस साजिश में बड़ी भूमिका निभाने वाले डेविड कोलमैन हेडली का भारत प्रत्यर्पण हो सकेगा। जिसने मुंबई हमले से पूर्व आतंकियों द्वारा निशाने पर लिए गए जगहों की कई बार रेकी करके आतंकी सरगनाओं की मदद की थी। निश्चय की तहव्वुर राणा का भारत लाया जाना इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि जांच के बाद मुंबई आतंकी हमले में पाकिस्तान सरकार तथा आईएसआई की भूमिका व पाक स्थित आतंकी संगठनों के खतरनाक मंसूबों का खुलासा हो सकेगा। सही मायनों में यह हमारी खुफिया एजेंसियों की भी कठिन परीक्षा होगी कि इस साजिश की तह तक कैसे पहुंचा जाए। भारतीय खुफिया एजेंसियां से यदि इस बड़ी साजिश की कड़ियां सही तरह से जोड़ पायी तो आतंकवाद की उर्वरा भूमि बने पाकिस्तान को दुनिया के सामने बेनकाब किया जा सकेगा। यही वजह है कि 26/11 के दहला देने वाले मुंबई हमले के सूत्रधार तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पण करने के रास्ते अवरोध खड़े करने में प्रत्यक्ष-परोक्ष तौर पर पाक समर्थकों द्वारा कोशिशें की गई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कूटनीतिक जीत एवं भारत की कानून की बड़ी सफलता है

राणा के बहाने पाकिस्तान का पूरा आतंकी सच उजागर हो

ललित गर्ग

> क्रूरता एवं अमानवीयता का डरावना मंजर एवं देशवासियों की आंखों को गमगीन करने वाले इस आतंकी हमले के मास्टरमाइंड राणा का अमेरिका से प्रत्यर्पण भारत के लिये एक उजली किरण बनकर प्रस्तुत हुई है। 26-11-2008 एक ऐसी डरावनी तारीख है जिसे याद करके देशवासी सिहर जाते हैं। दहशत की तस्वीरें आंखों के सामने आ जाती हैं। यह तारीख मुम्बई के पुराने घाव को न केवल कुरेदती है बल्कि टीस भी पैदा करती है कि 150 करोड़ का यह देश अब तक क्यों नहीं राणा का प्रत्यर्पण कराकर उसे दर्दनाक सजा दे पाया।

मुंबई में भीषण, खौफनाक एवं दर्दनाक आतंकी हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने में सक्रिय रूप से शामिल रहने वाले पाकिस्तान मूल के कनाडाई नागरिक तहव्वुर हुसैन राणा को अमेरिका से भारत लाया जाना किसी उपलब्धि से कम नहीं है, यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कूटनीतिक जीत एवं भारत की कानून की बड़ी सफलता है। लगभग 170 लोगों की दर्दनाक मौत, क्रूरता एवं अमानवीयता का डरावना मंजर एवं देशवासियों की आंखों को गमगीन करने वाले इस आतंकी हमले के मास्टरमाइंड राणा का अमेरिका से प्रत्यर्पण भारत के लिये एक उजली किरण बनकर प्रस्तुत हुई है। 26-11-2008 एक ऐसी डरावनी तारीख है जिसे याद करके देशवासी सिहर जाते हैं। दहशत की तस्वीरें आंखों के सामने आ जाती हैं। यह तारीख मुम्बई के पुराने घाव को न केवल कुरेदती है बल्कि टीस भी पैदा करती है कि 150 करोड़ का यह देश अब तक क्यों नहीं राणा का प्रत्यर्पण कराकर उसे दर्दनाक सजा दे पाया। अब राणा के भारत के शिकंजे में आ जाने से 26-11 के घावों पर कुछ मरहम लगेगा क्योंकि मुम्बई एवं देश आज भी जख्मों का हिसाब मांगती है। देर आये दुरस्त आये की कहावत को चरितार्थ करते हुए अब देश का खतरनाक दुश्मन हाथ आ गया है तो उसे ऐसी सजा दी जाये कि न केवल पाकिस्तान, पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन एवं दुनिया में आतंक फैलाने वाले सहम जाये कि भविष्य में ऐसी घटना करने का दुस्साहस न कर सके। यह तो तय है कि राणा से पूछताछ में कई राज खुलेंगे, लेकिन यक्ष प्रश्न यह है कि क्या उसे फांसी की सजा देना संभव होगा? भारत सरकार को ऐसे कूटनीतिक एवं साहसिक प्रयत्न करने होंगे, जिससे उसे फांसी की सजा देना संभव हो सके और वह भी कम से कम समय में। मुंबई हमले के दौरान पकड़े गए आतंकी अजमल कसाब को सजा देने में चार साल लग गए थे। इतनी देरी राणा के मामले में नहीं होनी चाहिए। यह ऐसा मामला है, जिस पर देश के साथ दुनिया की भी निगाह होगी। राणा की सजा से ही भारत के न्यायतंत्र की त्वरता एवं तत्परता सामने आयेगी। क्योंकि खूंखार आतंकियों को सजा देने में देरी से आतंक से लड़ने की प्रतिबद्धता पर प्रश्नचिह्न टंकते है। 17 साल बाद आज भी महानगर मुम्बई की वह काली रात एवं गोलियों की गूंज से सब दहल उठते है, सहम जाते हैं। उस दिन

पाक प्रशिक्षित लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों ने एक साथ कई जगहों पर हमला किया। लियो पोल्र्ड कैफे और छत्रपति शिवाजी टर्मिनल से शुरू हुआ मौत का दर्दनाक तांडव ताजमहल होटल में जाकर खत्म हुआ। जिसमें आतंकवाद निरोधक दस्ते यानि एटीएस प्रमुख हेमंत करकरे, मुम्बई पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त अशोक कामटे और पुलिस इंस्पैक्टर विजय सालस्कर शहीद हुए। आतंकवादी कसाब को जिन्दा पकड़ने वाले साहसी सब इंस्पैक्टर तुकाराम को कौन भुला सकता है, जो एक दूसरे आतंकवादी की गोलियों का शिकार होकर भी, जान की बाजी लगाकर कसाब को पकड़ने में सफलता पायी, भले ही इस एकमात्र पाकिस्तानी आतंकवादी कसाब को सजा-ए-मौत दी गई लेकिन इस हमले ने क्रूरता के जो निशान छोड़े वे आज भी मुम्बई में मौजूद हैं, भारत के जन-जन के हृदय पटल पर अंकित है। कौन नहीं जानता कि तहव्वुर राणा ने दाऊद सईद गिलानी यानि डेविड कोलमैन हेडली के साथ मिलकर हमले की साजिश रची थी। डेविड हेडली ने अपनी पहचान छिपाने के लिए मुम्बई में फर्स्ट वर्ल्ड इमीग्रेशन सर्विसिज के नाम से एक कम्पनी का कार्यालय खोला और खुद को बिजनेसमैन के रूप में पेश किया। धीरे-धीरे उसने फिल्म जगत में नामी-गिरामी हस्तियों से जान-पहचान बढ़ाई। भारत यात्रा के दौरान उसने मुम्बई एवं देश के अन्य हिस्सों की रेकी की जहां पर हमला किया जाना था। पाकिस्तानी पिता और अमरीकी माँ की औलाद हेडली अमरीका में एक समय रंगीन ज़िन्दगी गुज़ार चुका था जिसके दौरान ड्रग्स की तस्करी के लिए उसे जेल भी हुई थी। भारत ने हेडली के प्रत्यर्पण के लिए भी अनुरोध किया था, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों ने उसे छोड़ने से इनकार कर दिया, क्योंकि कई मामलों और डेनमार्क में एक हमले की नाकाम साजिश सहित 12 आतंकवाद से संबंधित आरोपों में दोषी होने की बात स्वीकार की थी। उसने लश्कर, आईएसआई और अलकायदा के राज अमेरिका को बताए तब से ही हेडली अमेरिका की सम्पत्ति बन गया है। फिलहाल हेडली का अमेरिका में सुरक्षित रहना बड़े सवाल खड़े करता है। इस बीच भारत ने राणा को मोस्ट वॉन्टेड घोषित कर दिया और 28 अगस्त 2018 भारत के खिलाफ आतंकी साजिश रचने, युद्ध छेड़ने, हत्या, जालसाजी और आतंकवादी हमले के आरोपों पर गिरफ्तारी वारंट जारी किया। अब सवाल यह है कि अमेरिका ने राणा को तो भारत के हवाले कर दिया लेकिन वह डेविड हेडली के मामले में क्यों खामोश है? राणा को भारत लाया जाना, भारत के शिकंजे में आना भारत की बहुत बड़ी कूटनीतिक जीत है। राणा पाकिस्तानी सेना का पूर्व अधिकारी है। चूंकि उसने आतंकी संगठन लश्कर एवं पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ से मिलकर मुंबई हमले की साजिश रची थी, इसलिए उससे गहन पूछताछ करके पाकिस्तान को नए सिरे से न केवल बेनकाब करना होगा, बल्कि उस पर इसके लिए दबाव भी बनाना होगा कि वह मुंबई हमले के अन्य गुनहगारों को भी दंडित करे। इस हमले के गुनहगार पाकिस्तान में खुले घूम रहे हैं। अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने प्रत्यर्पण संधि के तहत राणा को भारत भेजने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। हालांकि राणा ने कई हथकंडे अपनाए लेकिन अमेरिकी अदालतों में उसकी सारी याचिकाएं ठुकरा दी गईं। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत की यह आज तक की सबसे बड़ी जीत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल इसके लिए कूटनीतिक प्रयास करते रहे हैं। सर्वविदित है कि भारत विश्व के सर्वाधिक पाकिस्तान पोषित आतंकवाद प्रभावित देशों में से एक है। 26-11 के मुंबई हमलों के अलावा 2008 में ही जयपुर विस्फोट, काबुल में भारतीय दूतावास के अलावा अहमदाबाद, दिल्ली और असम के विस्फोट भी शामिल थे। यह संतोषजनक तो है कि अमेरिका ने देर से सही, राणा को भारत को सौंप दिया। यदि ट्रंप फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति नहीं बनते तो शायद राणा को भारत लाना और मुश्किल होता।

दृष्टि कोण

अब ओबीसी पर ध्यान केंद्रित करने की रणनीति

कांग्रेस के सामने लक्ष्य स्पष्ट हैं कि उसे अपने खोये जनाधार को पाने के लिए खासी मशक्कत करनी है। उसे जहां बीजेपी के सामने सबसे बड़ा विकल्प बना रहना है। वहीं उसे अपने जनाधार के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष संघर्ष उन दलों से भी करना है जो उसके साथ अभी इंडिया गठबंधन में खड़े दिखते हैं। ये सारा खेल उस सियासी समीकरण का है जिसमें कांग्रेस अपनी दमदार उपस्थिति दिखाने की जद्दोजहद में जुटी है। इसी दायरे में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस से ओबीसी के छिटकने की बात कही। आजादी के बाद से कांग्रेस की सियासी रणनीति में उच्च जातियों, मुस्लिम और दलितों का ऐसा समीकरण रहा जिसका तोड़ विपक्ष के पास लंबे समय तक नहीं रहा। जनसंघ या तमाम समाजवादी दलों की सियासत मंचों पर तो मुखर रही लेकिन राजनीति के जोड़-घटाने में लगभग डेढ़ दशक तक ये पार्टियां लोकसभा या राज्यों के चुनाव में अंकों की तालिका में बस अपनी उपस्थिति ही जताती रहीं। साठ के दशक के अंत और सत्तर के दशक के शुरुआत में राजनीति के उथल पुथल के दौर में कई बदलाव देखने को मिले। कांग्रेस में खुलकर गुटबाजी और राजनीतिक पैंतरेबाजी देखने को मिली। हालांकि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कुशल नेतृत्व ने उस समय की स्थितियों को संभाल लिया। उनके नेतृत्व वाले धड़े को ही असली कांग्रेस के रूप में स्वीकार कर लिया गया। लेकिन कांग्रेस का जनाधार पहली बार यहीं से खिसकना शुरू हुआ था। इसी के चलते यूपी, बिहार जैसे राज्यों में विपक्ष की सरकारें बनीं। हालांकि, 71 के युद्ध के बाद इंदिरा गांधी के करिश्माई नेतृत्व से फिर से कांग्रेस को एक बड़ा आधार मिला। अगर 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के

बाद हुए चुनाव परिणामों को छोड़ दें, तो उसके बाद कांग्रेस अपने जनाधार को वापस पाने के लिए लगातार जूझती रही है। 90 के दशक में कांग्रेस के लिए यह लड़ाई और कठिन हो गई। मंडल-कमंडल के बीच कांग्रेस का गलियारा छोटा हो गया। पूर्व पीएम वीपी सिंह ने ठंडे बस्ते में पड़ी मंडल आयोग की सिफारिश लागू की और ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण लागू हुआ। तब भविष्य की राजनीति की थाह न ले कांग्रेस ने इसका विरोध किया। कांग्रेस ने अपनी सियासी रणनीतियों में जिन जातियों को फोकस किया उसमें पिछड़ी जातियां नहीं थीं। लेकिन फिर भी कांग्रेस के प्रभामंडल में पिछड़ी जातियों के वोट कांग्रेस को पड़ते रहे। उसके लिए इन जातियों को अपने साथ जोड़ने की पहल बहुत ज्यादा नहीं हुई। दूसरी तरफ इसी दौर में यूपी में सपा, बिहार में आरजेडी, ओडिशा में बीजू जनता दल, कर्नाटक में जनता दल यू जैसे दल उभरे और अपनी पृष्ठभूमि में सशक्त हुए। राजनीति की बयार को समझने वाले कांशीराम ने 1984 में बसपा को स्थापित किया तो उनके अपने लक्ष्य स्पष्ट थे। ज्यादा वक्त नहीं लगा। एक दशक से भी कम समय में यूपी में सपा-बसपा का एक मजबूत चक्रव्यूह तैयार हुआ। इसी बारीक सियासी पेंच को समझना होगा कि जहां पिछड़ी अति पिछड़ी जातियां सपा आरजेडी जैसे दलों के साथ जुड़ गईं, वहीं बाबरी मस्जिद ढहने के बाद मुस्लिमों ने कांग्रेस से किनारा कर दिया। कांग्रेस आज तक अपने जनाधार की कोशिश में है। दूसरी तरफ राममंदिर आंदोलन ने बीजेपी के लिए सत्ता का रास्ता बनाया। इसके साथ ही सामाजिक समीकरणों में बीजेपी ने पिछड़ी जातियों और दलितों के बीच उन समूहों को साधने की कोशिश की जो अपने को कहीं उपेक्षित महसूस कर रहे थे। खासकर 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद बीजेपी ने ओबीसी को प्रभाव में लाने के लिए जतन किए। यही नहीं बीजेपी ने अपनी बिसात बिछाते हुए हरियाणा मध्यप्रदेश जैसे राज्यों में ओबीसी मुख्यमंत्री दिए वहीं ओडिशा में आदिवासी समाज के नेता को नेतृत्व सौंपा। इसी ओबीसी की पिच पर कांग्रेस अब बीजेपी और दूसरे दलों से जूझना चाहती है। कांग्रेस के अधिवेशन से ठीक पहले राहुल गांधी के इस बयान के अपने मायने हैं कि हम ब्राह्मण, दलित मुस्लिम में ही उलझ गए ओबीसी हमसे दूर हो गया। कांग्रेस अब महसूस कर रही है कि तमाम कोशिशों के बाद भी वह सपा व आरजेडी जैसे तमाम दलों से अल्पसंख्यकों के आधार को छीन नहीं पा रही है।

कुछ अलग

सस्ते लोन की आस

अमेरिका के टैरिफ युद्ध से उपजी वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच केंद्रीय बैंक ने सावधानी के फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। शेयर बाजारों के ध्वस्त होने के बाद आर्थिक मंदी की आहट अमेरिका समेत पूरी दुनिया में महसूस की जा रही है। वैश्विक प्रतिकूलताओं के बीच केंद्रीय बैंक द्वारा हाल ही में दूसरी बार रेपो दर में 25 आधार अंक की कटौती अनिश्चितता के बीच सावधानी का ही संकेत है। केंद्रीय बैंक ने अब रेपो दर 6.25 से घटाकर 6 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। इस साल यह दूसरी बार कटौती है। जबकि पहली कटौती पांच साल बाद की गई थी। यह कदम वैश्विक अस्थिरता के प्रति रिजर्व बैंक की चिंता को ही दर्शाता है। निश्चित रूप से आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व में मौद्रिक नीति समिति द्वारा समायोजन के साथ बदलती प्राथमिकताओं का संकेत दिया है। अब बैंक की प्राथमिकता मुद्रास्फीति के बजाय विकास को गति देना है। निर्विवाद रूप से केंद्रीय बैंक ने यह कदम ऐसे समय पर उठाया है जब संयुक्त राज्य अमेरिका से उपजे व्यापार तनाव और टैरिफ संकट के बीच आर्थिक अनिश्चितता बढ़ रही है। ये हालात घरेलू स्तर पर खपत में कमी करके मंदी की आशंका बढ़ा सकते हैं। साथ ही विकास में निजी निवेश की संभावनाओं पर भी भारी पड़ सकते हैं। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने देश के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के पूर्वानुमान को संशोधित करके 6.5 फीसदी कर दिया है। जो आने वाली आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर पैदा होने वाली चिंताओं को ही रेखांकित करता है। निश्चित रूप से यह फैसला आवास और ऑटो ऋण ले चुके लोगों के लिये राहत भरी खबर है क्योंकि रेपो रेट घटने पर ऋण लेने वालों की ईएमआई घट सकती है। साथ ही यह कदम नये ऋण लेने वाले लोगों को भी प्रोत्साहित करेगा। इससे रियल एस्टेट सेक्टर को गति मिलने की संभावना भी बढ़ गई है। हालांकि, उन लोगों को कुछ निराशा हो सकती है जो बैंकों में सावधि जमा राशि के जरिये जीवनयापन करते हैं। ऐसे में ब्याज दरों में गिरावट से उनका वास्तविक रिटर्न कम हो सकता है। फलतः निवेश को प्रोत्साहन देने के लिये नई रणनीति बनाने की जरूरत है। निस्संदेह, रेपो दरों में कटौती मौद्रिक अनुशासन का एक जरूरी उपकरण है, लेकिन ये अंतिम रामबाण उपचार भी नहीं है। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति के दबाव व मुद्रा अस्थिरता के प्रति भी सतर्क रहना चाहिए। जिससे महंगाई बने रहने की चिंता भी पैदा हो सकती है। जरूरी है कि केंद्रीय बैंक द्वारा रेपो दरों में की गई कटौती का लाभ बैंक यथाशीघ्र अपने ऋण लेने वाले ग्राहकों को प्रदान करें। बहरहाल, दरों की यह कटौती केंद्रीय बैंक की विकास को गति देने की मंशा को ही जाहिर करती है। लेकिन यह कदम तभी प्रभावकारी हो सकता है जब राजकोषीय उपायों और संरचनात्मक सुधारों को गति प्रदान की जाए। बहरहाल, आम आदमी के लिये यह सुखद है कि उसकी ईएमआई कम हो जाएगी। साथ ही नये लोन भी सस्ते होंगे। जिससे हाउसिंग क्षेत्र में डिमांड बढ़ेगी। साथ ही लोग रियल एस्टेट में अधिक निवेश कर सकेंगे। निश्चित रूप से इस कदम से रियल एस्टेट सेक्टर को नई ताकत मिलेगी। वहीं उद्योग जगत ने भी केंद्रीय बैंक के फैसले का स्वागत किया है। उद्योग जगत लंबे समय से ब्याज दरों में कटौती की मांग करता रहा है, जबकि केंद्रीय बैंक की प्राथमिकता मुद्रास्फीति पर नियंत्रण की बनी रही थी।

देश दुनीया से

संघीय कशमकश और तमिल राजनीति

विधानमंडल से पास हुए विधेयकों को रोकने की शक्ति को लेकर 2023 में, पंजाब राज्य के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि राज्यपाल निर्वाचित विधायिका द्वारा पारित विधेयकों पर समयबद्ध तरीके से कार्य करने के लिए बाध्य हैं। अदालत के इस बार के फैसले ने उस समयबद्धता को परिभाषित भी कर दिया है। इससे विधानमंडल से पास हुए विधेयकों के बारे में राज्यपालों का विशेषाधिकार सीमित हो गया है। इस निर्णय का महत्व तमिलनाडु के राज्यपाल की निंदा से कहीं अधिक है। राज्यपाल अब जांच के बहाने कानून को अनिश्चितकाल तक विलंबित नहीं कर सकते। न्यायालय ने एक संवैधानिक सिद्धांत की पुष्टि की है कि राजभवनों को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम करना चाहिए। अब सिद्धांत यह बना है कि किसी विधेयक को जब विधानमंडल दुबारा राज्यपाल के पास भेजें, तब उसे स्वीकृति दे दी जानी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल को 'शीघ्रता से काम करना चाहिए' और किसी विधेयक को अनिश्चितकाल तक रोककर वे 'पॉकेट वीटो' का इस्तेमाल नहीं कर सकते। अनुच्छेद 200 को अनुच्छेद 163 के साथ पढ़ा जाना चाहिए, जो राज्यपाल को कैबिनेट की सलाह पर काम करने के लिए बाध्य करता है। यदि कैबिनेट की सलाह के विपरीत राज्यपाल किसी विधेयक को मंजूरी नहीं देते हैं या उसे सुरक्षित रखते हैं, तो उन्हें ऐसा तीन महीने के भीतर करना होगा। दोबारा पारित विधेयकों के लिए समय-सीमा घटाकर एक महीना कर दी गई है। राज्यपालों के मामले में भारत का अनुभव निराशाजनक रहा है। इस पद का दुरुपयोग लगभग सभी ताकतों ने अलग-अलग वक्त पर किया है। दिल्ली में जिसकी सरकार रही उसने राज्य सरकारों को बर्खास्त करने में राज्यपालों का सहारा लिया। दशकों से देश राज्यपालों की भूमिका को लेकर विमर्श कर रहा है, पर रास्ता अभी तक नहीं निकला है। हां, इतना जरूर हुआ कि सुप्रीम कोर्ट के बोम्मई मामले में फैसले के बाद राज्यों में सरकारों की बर्खास्तगी का चलन खत्म हो गया और सरकारों के बनने-बिगड़ने का स्वीकृत सिद्धांत बन गया। इस बार के फैसले से राज्यों की प्रशासनिक स्वायत्तता बढ़ेगी और संवैधानिक पदों का कामकाज नियंत्रित होगा, जिसका प्रभाव पूरे देश पर पड़ेगा। यह न्यायिक-हस्तक्षेप ऐसे समय में हुआ है, जब गैर-भाजपा दलों द्वारा शासित राज्यों में राज्यपालों और सरकारों के बीच तनाव चरम पर है। इस संवैधानिक सफलता का राजनीतिक श्रेय एमके स्टालिन की डीएमके सरकार को जाता है, पर वहीं मेडिकल प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा 'नीट' से छूट हासिल करने में तमिलनाडु सरकार को मुंह की खानी पड़ी है। इस मामले को लेकर भी वे सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटा चुके हैं, पर यह मामला उतना सरल नहीं है, जितना राज्यपालों के विशेषाधिकार का है। इस दौरान 'नीट' को लेकर कई तरह की शिकायतें सामने आई हैं, पर उच्चतम न्यायालय ने उसे लगातार बरकरार रखा है। राज्य सरकार ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है, पर संवैधानिक-व्यवस्थाएं उसके पक्ष में नहीं हैं। पिछले कुछ महीनों में तमिलनाडु सरकार ने तीन भाषा सूत्र, चुनाव-क्षेत्र परिसीमन और नीट परीक्षा जैसे मसलों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। तीनों मामलों के कारण राजनीतिक-कोलाहल तो हुआ है, पर बुनियादी तौर पर कुछ हुआ नहीं है। यह सब अगले साल होने वाले राज्य विधानसभा के चुनाव की पूर्व-पीठिका तैयार कर रहे हैं। बुधवार को एमके स्टालिन की अध्यक्षता में विधायक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि तमिलनाडु सरकार चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 'नीट' से राज्य को छूट दिलाने के लिए अपना कानूनी संघर्ष जारी रखेगी। 'नीट' के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा 2023 में सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई याचिका के माध्यम से अपने प्रयासों को तेज करने के अलावा, आवश्यक हो तो एक नया मामला दायर करने के बारे में भी विधि-विशेषज्ञों से परामर्श किया जाएगा। पिछले हफ्ते ही खबर आई थी कि राष्ट्रपति ने 'तमिलनाडु अंडरग्रेजुएट मेडिकल डिग्री कोर्सेस बिल, 2021' को मंजूरी नहीं दी, जिसके बाद, मुख्यमंत्री ने विधायक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक बुलाई थी। तमिलनाडु का यह विधेयक सितंबर, 2021 में विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित किया गया था। राज्यपाल द्वारा विधेयक लौटाए जाने के बाद फरवरी,

2022 में एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई थी। इसके बाद विधेयक को विधानसभा में फिर से पारित किया गया और राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा गया। केंद्र सरकार की सिफारिशों के आधार पर राष्ट्रपति ने इस विधेयक पर मंजूरी रोक दी। शुक्रवार 4 अप्रैल को विधानसभा में इसकी घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री स्टालिन ने केंद्र सरकार पर राज्य द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'नीट' की शुरुआत के बाद, ग्रामीण और वंचित छात्रों के लिए मेडिकल कोर्स करना मुश्किल हो गया है, जो कोचिंग क्लास का खर्च नहीं उठा सकते। यह प्रणाली भविष्य में राज्य के ग्रामीण और अविकसित क्षेत्रों में प्रदान की जाने वाली चिकित्सा सेवाओं को भी प्रभावित करेगी। 'नीट' को शहरी छात्रों के पक्ष में बनाया गया है, जो कोचिंग क्लास का खर्च उठा सकते हैं। यह सामाजिक न्याय के सिद्धांत के खिलाफ है। डीएमके की दीर्घकालीन राजनीति में केंद्र से प्रतिस्पर्धा एक महत्वपूर्ण कारक है। 'नीट' से छूट हासिल करना राज्य के दशकों पुराने नीतिगत विमर्श का फिलहाल अनिर्णीत अध्याय है। केंद्रीय नीति के खिलाफ राज्य का कानून बनाने का इतना लंबा कोई अन्य प्रयास नहीं रहा है। सितंबर, 2017 में, 'नीट' विरोधी दो विधेयकों का राष्ट्रपति भवन में यही हश्र हुआ। चार साल बाद, सत्तारूढ़ डीएमके ने, जिसने 'नीट' से छूट को अपना चुनावी वादा बनाया था, जस्टिस एके रंजन कमेटी की सिफारिशों के आधार पर विधानसभा में विधेयक पारित किया। राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए इसे आगे बढ़ाने के बजाय राज्यपाल आरएन रवि ने पहले इसे पांच महीने बाद सदन को लौटा दिया।

आप का नजरीया

झूठा आश्वासन

वक्फ कानून बनाने के बाद से ही पामि बंगाल में बवाल मचा हुआ है। लेकिन शनिवार को पामि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनजा ने एक सही सवाल पूछा कि जब यह कानून राज्य में लागू ही नहीं होगा फिर हिसा क्यों हो रही है? उन्होंने राज्य वासियों से शांति बनाए रखने की अपील की। दरअसल राज्य में शांति कायम करने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनजा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स के एक पोस्ट में लिखा, ''जिस कानून की बात हो रही है, वह वेंद्र सरकार ने बनाया है, राज्य सरकार से इसका कोई लेना देना नहीं है। हमने कानून का समर्थन नहीं किया और यह राज्य में यह लागू नहीं होगा।'' मजे की बात तो यह है कि मुख्यमंत्री, राज्य के पुलिस महानिदेशक राजीव वुमार और कानून व्यवस्था के एडीजी जावेद शमीम ने स्पष्ट रूप से कहा कि वुछ पार्टियां मुसलमानों को भड़का रही हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई हो रही है। सच तो यह है कि मुख्यमंत्री और उनके शीर्ष पुलिस अधिकारियों का यह आरोप बिल्वुल सही है कि वुछ लोग मुस्लिम समाज को वक्फ विधेयक के खिलाफ भड़का तो रहे हैं। किन्तु उनका यह कहना कि वक्फ विधेयक वेंद्र ने बनाया है इसलिए वह राज्य में लागू नहीं होगा, शत प्रातिशत असत्य है। आश्वासन देने का तरीका सही हो सकता है किन्तु शासन द्वारा झूठ बोलकर एक पूरी कौम को भ्रमित करना भी राज धर्म के विरुद्ध है। असल में पामि बंगाल सरकार कांग्रोस और वामपंथी पार्टियों पर इस बात का आरोप लगा रही हैं कि वे मुसलमानों को वक्फ विधेयक के खिलाफ भड़का रही हैं। मुख्यमंत्री और उनके शासकीय तंत्र की आशंका सही हो सकती है किन्तु मुस्लिम समाज ममता के इस आश्वासन पर भी भरोसा नहीं करता कि संसद में पारित हुआ वक्फ विधेयक संसद में पारित होने के बाद किसी राज्य सरकार की इच्छा पर निर्भर नहीं रहता। असल में हमारे राजनेताओं की मुश्किल ही यही है कि वह झूठा आश्वासन देने के लिए भी वुतर्व का सहारा लेते हैं। उन्हें इस बात का एहसास नहीं है कि मुस्लिम समाज में भी लोगों को यह जानकारी है कि कानून बनते वैसे हैं और लागू वैसे होते हैं? हैरानी होती है कि मुस्लिम समाज से मात्र यह कहना कि जब वक्फ विधेयक में विभिन्न आपत्तिजनक प्रावधानों पर आपत्ति की समीक्षा सुप्रीम कोर्ट करने को तैयार है तो हिसक आंदोलन करने की जरूरत क्यों पड़ी। जिस तरह वक्फ कानून के खिलाफ लोगों को सड़कों पर उतारने वाले झूठ बोलकर भड़का रहे हैं, ठीक उसी प्राकार राज्य सरकार और उसका तंत्र भी झूठे आश्वासन देकर मुस्लिम समाज को हिसक झड़प से बचने की सलाह दे रहा है। हमारे राजनेताओं की प्रावृत्ति का स्थाईं भाव ही बन गया है कि वे जनता को महामूर्ख समझते हैं, इसलिए मूर्ख बनाना अपना अधिकार समझते हैं। जिस विधेयक पर संसद से पारित होने पर राष्ट्रपति का हस्ताक्षर हो गया और वह राष्ट्रीय कानून बन गया इसके बावजूद किसी राज्य की मुख्यमंत्री आश्वासन दे कि उस कानून को वह अपने राज्य में लागू नहीं होने देंगी तो इस पर मात्र यही पूछा जा सकता है।

महिला सशक्तिकरण के संकल्प के साथ जयपुर में हुआ महिलाओं का सम्मान

जयपुर (हिंस)। भारत रत्न बाबा भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती के उपलक्ष्य में महिलाओं का सम्मान एवं अधिकार के कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम झालाना डूंगरी स्थित एआईसीटीई में भारत रत्न भीमराव अंबेडकर की जयंती पर महिलाओं का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मानसी कैलाश सांखला (समाज सेविका)ने की। जिन्होंने महिला सशक्तिकरण को समाज की प्रगति का आधार बताते हुए बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करने का आह्वान किया। सांखला ने सशक्त महिला-सशक्त समाज का नारा देते हुए कहा की महिला सशक्तिकरण केवल एक नारा नहीं, बल्कि समाज को सशक्त बनाने की कुंजी है। बाबा साहेब ने कहा था कि समाज की प्रगति महिलाओं की प्रगति से मापी जाती है। साथ ही सावित्रीबाई और ज्योतिबा फुले ने नारी शिक्षा को परिवार और समाज की नींव माना। हमें उनकी इस सोच को आगे बढ़ाते हुए आत्मनिर्भर और सशक्त नारी शक्ति का निर्माण करना होगा। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने भी बाबा साहेब के योगदान को याद करते हुए सामाजिक समरसता और महिला उत्थान के लिए संकल्प लिया। नवचेतना शक्ति संगम ने

इस अवसर पर महिलाओं के लिए विभिन्न योजनाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की घोषणा भी की। जिसका उद्देश्य उनकी आर्थिक और सामाजिक स्थिति को सुदृढ़ करना है। सांखला ने कहा कि आयोजित इस कार्यक्रम में 300 से अधिक महिलाओं का सम्मान किया गया है। आज महिला किसी से कम नहीं है। बाबा साहेब के संविधान के अंतर्गत महिलाओं को समानता का संदेश दिया गया है। साथ ही हमारा लक्ष्य है कि हर महिला न केवल शिक्षित हो, बल्कि आत्मनिर्भर बनकर समाज में समानता की मिसाल कायम करे। यह आयोजन न केवल बाबा साहेब की जयंती को श्रद्धांजलि था, बल्कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत कदम भी साबित हुआ। मानसी सांखला के नेतृत्व में नवचेतना शक्ति संगम ने एक बार फिर सशक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया। मुख्य वक्ता एसीबी के पुलिस महानिदेशक रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बाबा साहेब के समानता और शिक्षा के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला और कहा कि आज महिला शक्ति को सर्वोपरि रखा है। देश में बहुत उथल पुथल हो रही है, लेकिन भीमराव अंबेडकर का संदेश आज भी देखा जा रहा है। महिलाएं अपने आप में एक किताब है और एक मोटिवेशनल है। महिलाओं की बातों को पुरुष कभी नहीं समझ पाता है। महिलाओं को घर के पुरुषों से क्या आशाएं हैं और क्या उम्मीद रखती हैं। लेकिन आज हम भले ही कितने भी व्यस्त हो, महिलाओं के मन की बात जाननी चाहिएं। बाबा साहेब के बनाए संविधान के आधार पर ही महिलाओं को चाइल्ड केयर लीव और मैटरनेटिव लीव जैसी सुविधा दी जा रही है। शिक्षा के मामले में आज लड़कियां लड़कों से आगे जा रही हैं। आज महिलाओं को आर्थिक रूप से सुदृढ़ होने की आवश्यकता है। किसी भी परीक्षा में महिलाएं और लड़कियां टॉपर रहती हैं। आज पुरुषों को महिलाओं से सीखने की आवश्यकता है, महिलाएं सभी कामों में आगे है। इस अवसर पर कार्यक्रम में जयपुर नगर निगम हेरिटेज महापौर कुसुम यादव, पूर्व विधायक वेद प्रकाश सोलंकी, आईएएस उर्मिला राजौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और कई समाजसेवी उपस्थित रहे।

बाबा साहेब की शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो के संदेश पर अमल करें : कुमारी शैलजा

जींद (हिंस)। सिरसा की सांसद कुमारी शैलजा ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की दूरदर्शिता, संघर्ष और असाधारण योगदान ने आधुनिक भारत की नींव रखी। डॉ. भीमराव अंबेडकर एक नाम नही बल्कि वह विचारधारा है। जिन्होंने हमें संविधान, समानताए न्याय और स्वाभिमान का मार्ग दिखाया। हमें आत्मचिंतन भी करना होगा। वे रविवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर समाज कल्याण सभा द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के 135वें जन्मोत्सव के अवसर पर गांव अशरफगढ़ में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। सांसद कुमारी शैलजा ने कहा कि क्या हम उनके सपनों का भारत बना पाए हैं, क्या हम उस समाज की स्थापना कर पाए हैं। जहां कोई भेदभाव नहीं हो, जहां हर नागरिक को समान अवसर मिले। जब तक देश में असमानता, गरीबी और भेदभाव जैसी चुनौतियां मौजूद हैं तब तक बाबासाहेब का सपना अधूरा है। कुमारी शैलजा ने कहा कि बाबा साहेब ने छुआछूत और जातिगत भेदभाव की अमानवीय दीवारों को शिक्षा और आत्मबल से तोड़ डाला। उनका शैक्षणिक जीवन, उनके विचार, उनकी दृष्टि सब कुछ हमें सिखाता है कि अगर इरादे नेक हों और उद्देश्य स्पष्ट हो तो कोई भी बाधा रास्ता नहीं रोक सकती। कुमारी शैलजा ने कहा कि जब देश स्वतंत्र हुआ तो हमें एक ऐसे संविधान की आवश्यकता थी। जो सबको समान अधिकार दे। इस ऐतिहासिक जिम्मेदारी को बाबासाहेब ने बखूबी निभाया। भारतीय संविधान के निर्माण में उन्होंने जो योगदान दिया, वह केवल विधिक दृष्टि से नही बल्कि सामाजिक न्याय की स्थापना की दृष्टि से भी अत्यंत ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा था शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो। कुमारी शैलजा ने कहा कि अगर ऊपर उठना है और समाज की मुख्यधारा में शामिल होना है तो हर हाल में बच्चों को शिक्षित करना होगा।

संभल में हरिहर मंदिर था और हरिहर मंदिर ही रहेगा : बालमुकुंद पांडे

मुरादाबाद (हिंस)। संभल में हरिहर मंदिर था और हरिहर मंदिर ही रहेगा। विदेशी आक्रांता बाहर से आकर हमारी पहचान को नहीं मिटा सकते। यह देश ऋषि मुनियों का देश है ना कि अकबर और बाबर का है। यह बातें रविवार को संभल सदर के एक निजी पैलेस में संभल माहात्म्य पर आयोजित कार्यक्रम में अखिल भारतीय इतिहास संकलन समिति के राष्ट्रीय सचिव बालमुकुंद पांडे ने कही। संभल के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए डॉ. बालमुकुंद पांडेय ने कहा कि चूंकि संभल पर हमारे विद्वान और इतिहासकार यहां के भौतिक सत्यापन के आधार पर यहां की लोक परम्पराओं के आधार पर ग्रंथों से अवलोकन करें कि वास्तव में संभल क्या था, कैसा था और कैसे परिवर्तन आया। साथ ही यह भी अध्ययन करें कि आज संभल कैसा होना चाहिए। उन्होंने संभल के विवादित धर्म स्थल जामा मस्जिद लेकर कहा कि हरि हर मंदिर ऐतिहासिक दृष्टि से है और हरिहर मंदिर था और हरि हर मंदिर रहेगा। कार्यक्रम में इतिहासकार विग्नेश कुमार ने बताया कि देखिए यह बहुत ही महत्व का विषय है सम्भल माहात्म्य के लिए कला, संस्कृति और पुरातत्व की दृष्टि से सम्भल का विशिष्ट महत्व है।

इसराना साहिब में बैसाखी पर्व धूमधाम से मनाया

पानीपत (हिंस)। पानीपत के खालसा प्रचार गुरुद्वारा संत भवन इसराना साहिब में रविवार को बैसाखी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर गुरबाणी पाठ और शब्द कीर्तन के माध्यम से सिख गुरुओं की गाथा सुनाई गई। इस समागम में हरियाणा के अलावा अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। गुरुद्वारा के संत राजेंद्र सिंह ने बताया कि बैसाखी का दिन सिख इतिहास में स्वर्णिम दिन है। इसी दिन गुरु गोविंद सिंह जी ने पांच प्यारों को अमृत छका कर सिंह की उपाधि दी थी। उन्होंने सिख संगत को सिंह और सिख महिला को कौर की उपाधि प्रदान की थी। संत राजेंद्र सिंह ने समाज में फैल रही नशे की बुराई से दूर रहने और गुरुओं का स्मरण करने का संदेश दिया। कहा कि अगर हम नशे से दूर रहेंगे तभी सच्चे सिख कहलाएंगे क्योंकि दसों पातशाहीयों ने नशे से दूर रह कर ही समाज का भला किया है, यही उनकी शिक्षा है। कार्यक्रम में कथावाचक निर्मल सिंह धुलकोट, रागी जत्था भाई हरकीरत

सिंह पानीपत और भाई भरत सिंह जवैदी टक्साल ने शब्द कीर्तन प्रस्तुत किया। बाबा फतेह सिंह अकादमी के छात्रों ने भी गुरबाणी कीर्तन के साथ सिख इतिहास का वर्णन किया। गुरुद्वारे में अटूट लंगर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खालसा दलविंदर सिंह, सुखप्रीत सिंह, अमनप्रीत सिंह, जितेंद्र सिंह और गुरदयाल सिंह खालसा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना में उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए सुनहरा अवसर : लता सिसोदिया

लखनऊ (हिंस)। भारत सरकार में कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (उ.प्र.) लता सिसोदिया ने रविवार को बताया कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना में उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए सुनहरा अवसर है। अभी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया जारी है। देश के युवाओं के कौशल विकास तथा कार्य अनुभव हेतु भारत सरकार के कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा बजट वर्ष 2024-25 में घोषित प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना देशभर में लागू की गई है। इस योजना का उद्देश्य देश के युवाओं को शीर्ष कंपनियों में इंटर्नशिप का अवसर देना है। लता सिसोदिया ने बताया कि उत्तर प्रदेश में योजना के क्रियान्वयन के लिए रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) और प्रदेश सरकार संयुक्त रूप से प्रयास कर रही है। इस योजना में इंटर्नशिप की अवधि बारह माह की है। इसमें प्रतिभागियों की आयु सीमा 21 से 24 वर्ष और शैक्षणिक योग्यता 10 वीं, 12 वीं, आईटीआई, डिप्लोमा या स्नातक है। योजना के लाभ में पांच हजार रुपए प्रतिमाह देय होगा। जिसमें 4500 रुपए भारत सरकार एवं 500 रुपए कंपनीज द्वारा देय है। छह हजार की एकमुश्त राशि इंटर्नशिप प्रारंभ करते समय मिलेगी। उन्होंने बताया कि रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, उत्तर प्रदेश द्वारा योजना के व्यापक प्रचार प्रसार तथा क्रियान्वयन हेतु कानपुर, नोएडा और मेरठ में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन कराया गया है।

पलासी थानाध्यक्ष पर झूठे केस में फंसाकर मोटी रकम उगाही का आरोप

एसपी से जांच कराने की मांग

अररिया (हिंस)। जिले के पलासी थाना क्षेत्र के रामनगर पंचायत के दर्जनों ग्रामीणों ने पलासी थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार के खिलाफ हस्ताक्षरित आवेदन एसपी को दिया है। ग्रामीणों ने पलासी थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार पर हिटलरशाही, प्रतिष्ठित व्यक्तियों के नाम झूठा केस में फंसाने के एवज में पैसों की उगाही, झूठा प्राथमिकी दर्ज करने, प्रतिष्ठा हनन के नाम पर बिचौलिया के माध्यम से लाखों रुपयों की वसूली करने का आरोप लगाया गया है। जमशेद आलम, इस्तिखार आलम, सैफ, मो. अफरोज, मो. मुख्तार, राजकुमार, रब्बान, सकलदेव ठाकुर, मुस्तकीम, वसीम, मतीउद्दीन, मजबूल, मो. अबरार, मो. अजीमुद्दीन सहित दर्जनों ग्रामीणों के हस्ताक्षरित आवेदन में पलासी थानाध्यक्ष पर कई संगीन आरोप लगाए गए हैं। जिनकी जांच कराए जाने की मांग एसपी से की गई है। थानाध्यक्ष द्वारा बिचौलिया के माध्यम से दर्जनों प्रतिष्ठित व्यक्तियों की सूची तैयार कर उनसे मोती रकम उगाही करने का आरोप लगाया गया है। एसपी को दिए आवेदन में ग्रामीणों ने ताजातरीन मामले में रामनगर पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि और उसके तीन पुत्रों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को भी अवैध उगाही के कड़ी से जोड़ा गया है। जिसमें बताया गया कि पलासी के सनगो ?ा वार्ड संख्या नौ के दो फरीकान में हुए विवाद को सुलझाने के लिए एक पक्ष के लोगों ने इंसाफ को लेकर गुहार लगाई तो दूसरे पक्ष के लोग जो पलासी थाना में बिचौलिया बने बैठे हैं, के कहने पर थानाध्यक्ष के इशारे पर सरपंच प्रतिनिधि और उनके तीन पुत्रों पर झूठा मुकदमा दर्ज करवा दिया। ताकि सरपंच से मोटो रकम वसूली जा सके। आवेदन में महिला के पति के दूसरे प्रदेश में मजदूरी करने की बात करते हुए महिला द्वारा झूठे केस का कारोबार करने और अन्य पुरुषों के साथ थाना में आने जाने को बात कही गई है। वहीं थानाध्यक्ष द्वारा प्रथम पक्ष के आवेदन को दरकिनार कर दूसरे पक्ष के आवेदन पर प्राथमिकी कर सरपंच प्रतिनिधि और उनके तीन पुत्रों को मोटी रकम वसूली को लेकर फंसाने का आरोप लगाया गया है। आवेदन में सरपंच के तीन टर्म से लगातार जीतने और उनके एक पुत्र के सरकारी शिक्षक होने की बात कही गई है। ग्रामीणों ने पलासी थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार और केस के अनुसंधानकर्ता एसआई रत्नेश कुमार की भूमिका पर सवाल खड़ा करते हुए एसपी से जांच की मांग की है। मामले पर एसपी अंजनी कुमार ने मामले की जांच वरीय पुलिस पदाधिकारी से कराए जाने का आश्वासन दिया।

आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत

भागलपुर (हिंस)। जिले के अमडंडा थाना क्षेत्र के सुरमनिया गांव में शनिवार की देर रात लगभग एक बजे आकाशीय बिजली के चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान स्वर्गीय केशोरी पासवान के 55 वर्षीय पुत्र छतीश पासवान के रूप में हुई है। मृतक के परिजन ने बताया कि छतीश पासवान ताड़ के पेड़ के नीचे बने फूस के घर के पास सोए हुए थे। इसी दौरान अचानक तेज आंधी-तूफान के साथ जोरदार आकाशीय बिजली गिरने लगी। जिसके चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के परिवार में तीन पुत्र और चार पुत्रियां हैं। इनमें से तीन बेटियों का विवाह हो चुका है, जबकि छोटी बेटी की शादी की तैयारी चल रही थी। लेकिन इसी बीच यह हृदयविदारक घटना घट गई, जिससे पूरा परिवार सदमे में है। पत्नी, बेटा और बेटियां सदमे में हैं और उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही अमडंडा थानाध्यक्ष रवि कुमार मौके पर पहुंचे और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भागलपुर भेज दिया।

फिल्म जाट का प्रमोशन करने के लिए रोहतक पहुंचे बॉलीबुड स्टार रणदीप हुड्डा

सरपंच व ग्रामीणों ने अपने बेटे रणदीप हुड्डा का किया जोरदार स्वागत

रोहतक (हिंस)। दिल्ली रोड स्थित लिबर्टी मॉल में रविवार को दोपहर जाट फिल्म देख रहे दर्शकों को फिल्म में प्रमुख विलन का रोल अदा करने वाले बॉलीबुड स्टार रणदीप हुड्डा ने पहुंच कर सरप्राइज दिया। इस मल्टी सिनेमा में फिल्म का प्रमोशन करने के लिए बॉलीबुड स्टार रणदीप हुड्डा और फिल्म निर्देशक गोपीचंद पहुंचे। मॉल में बॉलीबुड स्टार रणदीप हुड्डा के पहुंचने की सूचना पाकर काफी संख्या में फैंस का अंदर व बाहर जमावडा लग गया। इस दौरान लोगो की बॉलीबुड स्टार के साफ सेल्फी खिचवाने वालो की होड़ सी लग गई। रणदीप हुड्डा ने हरियाणवी स्टाई में हाथ जोड़कर पहले सभी को राम-राम दी और अपना हाथ उठाकर फैंस का अभिवादंन स्वीकार किया। इस दौरान फैंस ने बॉलीबुड स्टार के साथ खूब सेल्फी भी खिचवाई। इस दौरान रणबीर हुड्डा ने कहा कि हरियाणा की संस्कृति की पूरे विश्व मे अलग पहचान है। बॉलीबुड में हरियाणवी कल्चर का अपना अलग ही जलवा है और आज फिल्म इंडस्ट्रीज में हरियाणा से काफी युवा आगे निकल कर आ रहे है, जोकि एक गर्व की बात है। करीब

एक घंटे तक बॉलीबुड स्टार रणदीप हुड्डा लिबर्टी कांप्लेक्स में रहे। इस दौरान लोगों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस प्रशासन भी काफी संख्या में मौजूद रहा। फिल्म प्रमोशन के बाद बालीबुड स्टार रणदीप हुड्डा फिल्म निर्देशक व टीम के साथ अपने पैतृक गांव जसिया पहुंचे और वहां पर अपनी बचपन की यादे भी ताजा की। इस दौरान बालीबुड स्टार गांव की गलियों में भी घूमे और परिजनों द्वारा बनाए गए भोजन व चूरमे का भी स्वाद चखा। गांव के सरपंच ओमप्रकाश हुड्डा ने समस्त गांव की और से बॉलीबुड स्टार रणदीप हुड्डा व उनकी टीम का जोरदार स्वागत किया।

बाबा साहेब की प्रतिमा का अनादर बर्दाश्त नहीं : मायावती

लखनऊ (हिंस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमाओं के साथ जो अनादर हो रहा है, उसे कतई बर्दाशत नहीं किया जाएगा। उन्होंने प्रयागराज में दलित की हत्या को लेकर भी नाराजगी जताते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं का सरकार को संज्ञान लेना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने रविवार को अपने अकाउंट एक्स पर लिखा, प्रयागराज के करछना में सामंतीतत्वों ने एक दलित की हत्या कर दी। यह घटना अतिदुखद व चिन्तनीय है। प्रदेश में बेलगाम हो रहे ऐसे आपराधिक, असामाजिक व सामंतीतत्वों के खिलाफ सरकार जरूर सख्त कार्रवाई करे। इससे कानून के राज को कायम हो सकें। बसपा प्रमुख ने कहा कि संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के अनादर की घटनाओं को भी सरकार पूरी गंभीरता से ले। उन्होंने सरकार से मांग की है कि समाज में तनाव एवं हिंसा पैदा करने वाले ऐसे गुनहगारों के विरुद्ध कार्रवाई हो ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृति रुक सके।

राजस्थान में भीषण गर्मी की चेतावनी

जयपुर (हिंस)। नए पश्चिमी विक्षोभ ने राजस्थान के मौसम को अचानक बदल दिया है। इसका बड़ा असर शनिवार को देखने को मिला, जब 20 से ज्यादा जिलों में अचानक तेज हवा चलीं। आंधी के साथ बारिश हुई और कुछ जिलों में ओले भी गिरे, जिससे मौसम थोड़ा ठंडा हो गया। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार से इसका असर खत्म होने की उम्मीद है। इसके बाद 14 से 16 तक प्रदेश में हीटवेव को लेकर चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुसार 14 अप्रैल से लू चलने लगेगी। इसका कहर 16 अप्रैल तक जारी रहने की संभावना है। इसके चलते प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में अधिकतम तापमान 45 से 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इसमें जैसलमेर क्षेत्र में 15 अप्रैल को अधिकतम तापमान 44-45 डिग्री दर्ज होने की संभावना है, वहीं पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में 14 अप्रैल से लू का नया दौर शुरू होने की संभावना है। 15-16 अप्रैल को लू की तीव्रता और क्षेत्र में बढ़ोतरी की प्रबल संभावना है। 16 अप्रैल को जोधपुर, बीकानेर संभाग और शेखावाटी क्षेत्र में लू और प्रचंड लू चलने की संभावना है।

भाजपा ने चलाया डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा स्थल के पास स्वच्छता अभियान

अररिया (हिंस)। संविधान निर्माता एवं भारत रत्न से सम्मानित डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती से पूर्व रविवार को फारबिसगंज भाजपा नगर इकाई की ओर से स्वच्छता अभियान कार्यक्रम चलाया गया। भाजपा नगर अध्यक्ष बीरेंद्र कुमार मिंटू के नेतृत्व में सामाजिक न्याय सप्ताह कार्यक्रम के तहत संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा स्थल और उनके आसपास स्वच्छता अभियान चलाया गया। मौके पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के आदमकद प्रतिमा की सफाई की गई और अगल बगल के इलाकों में फैले कूड़े कचरे की सफाई की गई। मौके पर रजत कुमार सिंह, मनोज झा, अभिषेक सिंह, आयुष कुमार कालू, संदीप कुमार, नीलिमा साह, संदीप शर्मा, शिवराम शर्मा, नवल गुप्ता, करण सिंह भूमिहार, संजय कुमार डब्लू, प्रमोद पासवान आदि मौजूद थे।

गुप्त वृन्दावन धाम में भक्तों ने लिया विश्व गुरु श्रील प्रभुपाद का आश्रय

जयपुर (हिंस)। मानव जीवन का चरम लक्ष्य भगवान की सेवा करना है और यह सौभाग्य केवल गुरु के आशीर्वाद से ही मिल सकता हैद्य अपने जीवन को कृष्ण भक्ति में समर्पित करके करके भक्ति पथ पर अग्रसर होने के लिए रविवार को भक्तों ने विश्व गुरु श्रील प्रभुपाद का आश्रय लिया और साथ ही उन्होंने यह प्रार्थना की, कि उन्हें उनके चरण कमलों का आशीर्वाद मिले। गुप्त वृन्दावन धाम में आयोजित हुए आश्रय समारोह में भक्तों ने श्रद्धावान (1 माला जाप), सेवक (4 माला जप), साधक (8 माला जप), उपासक (12 माला जप) और चरण आश्रय (16 माला जप) का प्रण लिया, विभिन्न चरणों के आश्रय के साथ उन्होंने कृष्ण भक्ति में जीवन को समर्पित करते हुए विश्व गुरु श्रील प्रभुपाद की किताबें पढ़ने का वचन लिया। भक्तों ने उनके द्वारा दिए गए 4 विनियमित सिद्धांतों का पालन करने का भी निश्चय किया। श्रील प्रभुपाद आश्रय के लिए 460 भक्तों ने अपना

नामांकन किया। जिसमें से 335 भक्तों ने प्रश्न पत्र तथा इंटरव्यू की प्रक्रिया को पास करके अपने आपको आश्रय स्तर के लिए योग्य बनाया। पांच चरण के आश्रय स्तर को पार करने के पश्चात् भक्त दीक्षा के लिए नामांकन कर सकते हैं। गुप्त वृन्दावन धाम के अध्यक्ष श्री अमितासना दास ने श्रील प्रभुपाद आश्रय के महत्व पर प्रकाश डालते हुआ बताया की कलयुग में भगवान कृष्ण अपने नाम में निवास करते हैं। श्रील प्रभुपाद भगवान कृष्ण के शुद्ध भक्त हैं। जब भक्त उनके सामने नाम जप करने का संकल्प लेते हैं तब उनके जीवन में ज्ञान-भक्ति और वैराग्य का प्रकाश समाहित हो जाता है और वो कृष्ण भक्ति में दिन प्रतिदिन अग्रसर होते जाते हैं तथा अपने भगवद धाम जाने का मार्ग सुनिश्चित कर सकते हैं।

एफपीआई ने अप्रैल में भारतीय शेयर बाजारों से निकाले 31,575 करोड़

नई दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अप्रैल में अब तक भारतीय शेयर बाजारों से 31,575 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले 21 मार्च से 28 मार्च तक छह कारोबारी सत्रों में एफपीआई ने शेयरों में 30,927 करोड़ रुपये डाले थे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इस निवेश से मार्च में एफपीआई की कुल निकासी घटकर 3,973 करोड़ रुपये रही है। पिछले महीनों की तुलना

21 मार्च से 28 मार्च तक एफपीआई ने शेयरों में 30,927 करोड़ रुपये डाले थे

में यह स्थिति में उल्लेखनीय सुधार है। फरवरी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने शेयरों से 34,574 करोड़ रुपये निकाले थे, जबकि जनवरी में यह निकासी और भी अधिक यानी 78,027 करोड़ रुपये थी। आंकड़ों के अनुसार, एक अप्रैल से 11 अप्रैल के बीच एफपीआई ने भारतीय शेयरों से 31,575 करोड़ रुपये निकाले हैं। इसके साथ ही, 2025 में अब तक एफपीआई की कुल निकासी 1.48 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। बाजार के जानकारों ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क के बाद वैश्विक शेयर बाजारों में उथल-पुथल भारत में एफपीआई निवेश को भी प्रभावित कर रही है। उनका मानना है कि मौजूदा उथल-पुथल थमने के बाद ही एफपीआई की रणनीति अधिक स्पष्ट हो पाएगी। उन्होंने कहा कि मध्यम अवधि में एफपीआई भारत में खरीदार बन सकते हैं, क्योंकि अमेरिका और चीन दोनों ही मौजूदा व्यापार युद्ध के चलते अपरिहार्य सुस्ती की ओर बढ़ रहे हैं। प्रतिकूल वैश्विक परिदृश्य में भी भारत वित्त वर्ष 2025-26 में छह प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर सकता है।

न्यूज ब्रीफ

बाबा रामदेव की शरबत जिहाद को लेकर आलोचना, वीडियो में योग गुरु ने सॉफ्ट ड्रिंक्स को टॉयलेट क्लीनर के जैसा बताया

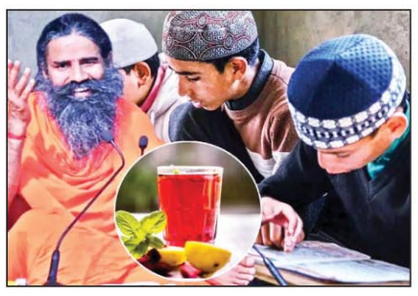

नई दिल्ली। पतंजलि योग गुरु बाबा रामदेव की आयुर्वेद कंपनी ने हाल ही में अपने नए विज्ञापन के माध्यम से धर्म के मामले पर चर्चा खड़ी की है। इस विज्ञापन में पतंजलि ने पुराने ढर्रे वाले शरबत ब्रांडों पर धन और धर्म की बर्बादी का तर्क दिया है। उन्होंने ग्राहकों से उनकी शरबत को सबसे आगे रखने की अपील की है, इसके साथ ही बाबा रामदेव द्वारा एक वीडियो में किए गए शरबत जिहाद के दावे को लेकर आलोचना भी दी गई है। बाबा रामदेव के वीडियो में उन्होंने सॉफ्ट ड्रिंक्स को टॉयलेट क्लीनर के जैसा बताया है, और उन्होंने इसे गर्मियों में प्यास बुझाने के बहाने से जहर के समान बताया है। इसी कंटेंट में रामदेव ने कहा है कि एक शरबत बेचने वाली कंपनी अपने कमाई का हिस्सा मस्जिद और मदरसे बनाने में खर्च करती है, जिसे उन्होंने शरबत जिहाद कहा है। यह कंट्रोवर्शल बयान ने लोगों में मीडिया और सामाजिक मंचों पर बहुत ही चर्चा का विषय बन दिया है। बाबा रामदेव की शरबत जिहाद पर आलोचना और पतंजलि की धर्म पर आधारित विज्ञापन ने भारतीय समाज में खुद विचार करने पर मजबूर कर दिया है। विज्ञापनों और सोशल मीडिया के इस युद्ध ने भारतीय जनता को इस सच्चाई का सामना करने पर मजबूर किया है कि किस तरह कंपनियां अपने उत्पादों को बेचने के लिए अलग-अलग रास्ते चुन रही हैं ।

अमेरिका ने स्मार्टफोन और लैपटॉप पर टैरिफ हटाया

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्मार्टफोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स पर लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ को हटा दिया है, जिससे वैश्विक टेक जगत में एक उत्साहपूर्ण तेजी की लहर दौड़ गई है। यह नया फैसला 5 अप्रैल से लागू हो गया है और एप्पल, सैमसंग, जैसे बड़ी कंपनियों के लिए एक प्रकार से राहत की किरण बन सकता है। इस निर्णय से कुछ देश अवसरों से भरपूर महसूस कर रहे हैं, हालांकि चीन को तुरंत लाभ मिलेगा। चीन ने अमेरिका के टैरिफ बढ़ाने का जवाब देकर अपने द्वारा भी ऐसे उत्पादों पर कर बढ़ा दिया है जिससे अमेरिका को चीनी उत्पादों में सस्ताई की संभावना है। भारत के लिए भी इस निर्णय से अवसर है, लेकिन भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह इस अवसर का सही तरीके से फायदा उठा सके और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में अपनी पकड़ मजबूत कर सके। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस निर्णय से भारत को नया धारा मिल सकता है और वह इसे अच्छे से उपयोग कर सकता है ।

पेट्रोल-डीजल रिफाइन करने पर होने वाली कमाई ऐतिहासिक स्तर पर, पेट्रोल-डीजल से केंद्र और राज्य सरकारों ने 5 साल में 35 लाख करोड़ जुटाए

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमतें चार साल के सबसे निचले स्तर (65.41 डॉलर प्रति बैरल) आ गई हैं। इससे पहले अप्रैल 2021 में दाम 63.40 डॉलर प्रति बैरल थे। इस गिरावट से पेट्रोल-डीजल रिफाइन करने पर होने वाली कमाई ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है। रेटिंग एजेंसियों के अनुसार मौजूदा समय में तेल कंपनियों को पेट्रोल पर प्रति लीटर 12-15 रुपए और डीजल पर रुपए 6.12 का मुनाफा हो रहा है। इसके बावजूद, तेल कंपनियों ने पिछले एक साल से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई कटौती नहीं की है। हाल ही में संभावना थी कि तेल कंपनियां दाम घटाएंगी। लेकिन सरकार ने 2 रुपए लीटर एक्साइज ड्यूटी बढ़ा दी। इसकी आड़ में कंपनियां दाम घटाने से बच गईं। लंबे समय से तेल कंपनियां घाटे का हवाला देकर दामों में कटौती से बच रही हैं। जबकि, हकीकत ये है कि पिछले 5 सालों में 7 बड़ी तेल-गैस कंपनियों में केवल एक आईओसी को एक बार 2019-20 में मामूली घाटा हुआ था। इसे छोड़ दिया जाए तो ये कंपनियां साल दर साल भारी मुनाफा कमा रही हैं।

पिछले सप्ताह बाजार में तेलों के दामों में उतार-चढ़ाव रहा

सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल के दामों में हुआ सुधार

नई दिल्ली

हाल ही में बाजार में तेलों के दामों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। पिछले सप्ताह ऊंचे दाम पर लिवाली प्रभावित रहने से कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल के दाम गिरावट दर्शाते बंद हुए। साथ ही, मंडियों में किसानों की ओर से आवक कम लाने के कारण सरसों, मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन तथा बिनौला तेल के भाव सुधार के साथ बंद हुए हैं। बीते हफ्ते में आप ने देखा होगा कि सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल के दामों में सुधार हुआ है।

इसके पीछे का कारण थी अप्रैल महीने में किसानों के आवक में कमी और चीन से सरसों डीओसी की मांग। किसानों की ओर से आवक कम लाने के कारण सरसों, सोयाबीन और मूंगफली तेल-तिलहन के भाव सुधार के साथ बंद हो गए हैं। इससे उन्हें नुकसान हो सकता है और उन्हें उचित दाम नहीं मिल सकता। सरकार को इसे सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने होंगे। इस तरह, बाजार में तेलों के दामों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 175 रुपये के सुधार के साथ 6,375-6,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 350 रुपये के सुधार के साथ 13,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश: 40-40 रुपये सुधरकर क्रमश: 2,380-2,480 रुपये और 2,380-2,505 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश: 225-225 रुपये सुधार के साथ क्रमश: 4,625-4,675 रुपये और 4,325-4,375 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह, सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमश: 300 रुपये, 250 रुपये और 175 रुपये मजबूत होकर क्रमश: 13,700 रुपये, 13,400 रुपये और 9,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन का भाव 50 रुपये के सुधार के साथ 5,750-6,125 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमश: 50 रुपये और 15 रुपये सुधरकर क्रमश: 14,250 रुपये और 2,250-2,550 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। दूसरी ओर, कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 12,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 14,050 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 12,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।सुधार के आम रुख के अनुरूप, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल 200 रुपये मजबूत होकर 13,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ओला इलेक्ट्रिक के बिक्री के आंकड़ों को लेकर विवाद

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक कंपनी के बिक्री को लेकर जारी किए गए आंकड़ों पर विवादों में घिरी हुई है। फरवरी 2025 में जारी हुए आंकड़े को लेकर पांच हफ्ते बीतने के बाद भी कंपनी को सफाई देनी पड़ रही है। वजह है कंपनी द्वारा बताए गए 25,000 यूनिट्स की बिक्री और व्हीकल रजिस्ट्रेशन के आधिकारिक आंकड़ों के बीच भारी अंतर। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को दिए जवाब में ओला ने ऐसे वाहनों को भी शामिल कर लिया, जो बाजार में लॉन्च ही नहीं हुए थे। 9 अप्रैल को ओला इलेक्ट्रिक ने एक्सचेंजों को एक बयान जारी कर बताया कि फरवरी की बिक्री की जानकारी उन कन्फर्म ऑर्डरों पर आधारित थी, जिनमें से लगभग 90 प्रतिशत ऑर्डर प्लेसमेंट के समय पूरी तरह भुगतान किए जा चुके थे। कंपनी के मुताबिक इन ऑर्डरों में जेन 3 और रोडस्टेर एक्स जैसे नए प्रोडक्ट भी शामिल थे, जो फरवरी में फुल पेमेंट के साथ खरीदे जा सकते थे। हालांकि, सच्चाई यह है कि ओला इलेक्ट्रिक ने फरवरी में वाहन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया बाहरी एजेंसियों से हटाकर इन-हाउस कर दी थी, जिससे देशभर के आरटीओ के साथ उनके संबंधों में बाधा आई और रजिस्ट्रेशन डेटा प्रभावित हुआ। सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े बताते हैं कि फरवरी में ओला की सिर्फ 8,649 यूनिट्स ही रजिस्टर्ड हुईं, जो कंपनी के दावे की एक तिहाई है। 1 मार्च को सामने आए इन आंकड़ों ने सवाल खड़े कर दिए कि जब वाहन रजिस्ट्रेशन के बिना उन्हें बेचा नहीं जा सकता, तो फिर ओला के 25,000 यूनिट्स की बिक्री का दावा कैसे सही हो सकता है। केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार, वाहन की डिलीवरी से पहले उसका रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। अब ओला इलेक्ट्रिक पर आरोप है कि उसने निवेशकों और आम जनता को गुमराह करने के लिए बिक्री के आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया।

टाटा अल्ट्राज रेसर पर मिल रही छूट

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में टाटा मोटर्स ने 2024 में अल्ट्राज रेसर को लॉन्च करते हुए इसे एक देसी हॉट हैचबैक के रूप में पेश किया था। यह इंजन 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स से लैस है और अल्ट्राज रेसर को 0 से 100 केएमपीएच की रफ्तार तक महज 11 सेकंड में पहुंचा सकता है। यह कार अल्ट्राज के रेग्युलर मॉडल पर आधारित है, लेकिन इसमें ज्यादा पावरफुल 1.2-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 118 बीएचपी और 170 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। कंपनी ने इस स्पोर्टी कार को फ्रंट वेंटिलेटेड सीट्स, सनरूफ, स्पोर्टी एग्जॉस्ट साउंड और 10.25-इंच टचस्क्रीन जैसे फीचर्स के साथ पेश किया था। हालांकि, खरीदारों से इस कार को उम्मीद के मुताबिक रिस्पॉन्स नहीं मिला और इसकी सेल्स कंपनी की अपेक्षाओं से काफी कम रही। अब टाटा मोटर्स अल्ट्राज रेसर की बिक्री बढ़ाने के लिए इस पर भारी छूट दे रही है। रेस ट्रैक पर इसके शानदार ड्राइविंग डायनामिक्स इसे अपने सेगमेंट की अन्य कारों की तुलना में तेज बनाते हैं। कंपनी को उम्मीद है कि नई छूट के साथ यह कार ज्यादा ग्राहकों को आकर्षित कर सकेगी। एमवाय 2024 मॉडल पर कुल 1.35 लाख रुपये तक की छूट मिल रही है, जिसमें 85,000 रुपये का कैश डिस्काउंट और 50,000 रुपये का स्क्रैपेज बोनस या एक्सचेंज ऑफर शामिल है। फिलहाल मुंबई में इस कार की ऑन-रोड कीमत 11.01 लाख रुपये से शुरू होकर 12.94 लाख रुपये तक जाती है। इस बजट में अल्ट्राज रेसर एक परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड, फीचर-लोडेड कार के रूप में उभरती है।

रेटिंग के साथ टाटा स्टील में तेजी की संभावना, टाटा स्टील का शेयर 4.95 फीसदी बढ़कर 133.47 रुपए पर बंद हुआ

नई दिल्ली। टाटा स्टील लिमिटेड के शेयर में शुक्रवार को एक शानदार बढ़त देखने को मिली। इस दिन के अंत तक, टाटा स्टील का शेयर 4.95 फीसदी बढ़कर 133.47 रुपये पर बंद हुआ। दिन की शुरुआत 134.67 रुपये से हुई थी और यह शेयर दिनभर के ट्रेडिंग के दौरान अच्छी बढ़त देखने को मिली। शुक्रवार को टाटा स्टील के शेयर ने 134.70 रुपये के साथ दिन का उच्चतम स्तर को छुआ। वहीं दिन का न्यूनतम स्तर 130.49 रुपये था। पूरे दिन के दौरान, यह शेयर 130.49 रुपये से 134.70 रुपये के बीच कारोबार करता रहा, जो इसकी स्थिरता और तेजी को दर्शाता है।

टाटा कर्व और कर्व-ईवी के डार्क एडिशन लॉन्च

टाटा मोटर्स ने भारतीय बाजार में अपनी लोकप्रिय कूपे एसयूवी टाटा कर्व और कर्व ईवी के डार्क एडिशन लॉन्च कर दिए हैं। दोनों कार को ऑल-ब्लैक थीम के साथ पेश किया गया है। ये लेवल-2 एडवांस ड्राइविंग असिस्ट सिस्टम जैसे सेफ्टी फीचर के साथ आती है। कर्व डार्क एडिशन हायर वैरिएंट अक्म्पलिश्ड एस और अक्म्पलिश्ड प्लस , जिसकी कीमत स्टैंडर्ड वैरिएंट से 32,000 रुपए ज्यादा है। शुरुआती कीमत 16.49 लाख रुपए वहीं, कर्व ईवी डार्क एडिशन सिर्फ टॉप स्पेक इम्पावर्ड+ ए वैरिएंट पर बेस्ड है, जिसकी कीमत रेगुलर मॉडल से 25,000 रुपए ज्यादा है। कर्व ईवीर डार्क एडिशन की एक्स-शोरूम कीमत 22.24 लाख रुपए रखी गई है। वहीं, कर्व आईसीई वर्जन की कीमत 16.49 लाख रुपए से शुरू होती है, जो 19.52 लाख रुपए तक जाती है।

रिजर्व बैंक खरीदेगा 40,000 करोड़ के सरकारी बॉन्ड

2028 और 2039 के बीच मैच्योर होने वाले बांड शामिल

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि वह 17 अप्रैल को 40,000 करोड़ रुपए के सरकारी बॉन्ड ओपन मार्केट ऑपरेशन (ओएमओ) के जरिए खरीदेगा। इसका मुख्य उद्देश्य है वित्तीय अर्थव्यवस्था में बढ़ती हुई लिक्विडिटी को संभालना। रिजर्व बैंक द्वारा खरीदे जाने वाले बॉन्ड मल्टीपुल विपरीतों के बीच से 2028 और 2039 में मैच्योर किए गए हैं। यह कदम आरबीआई के सिस्टम में शामिल होने वाले हाल ही के कदमों का एक और उदाहरण है जो लिक्विडिटी को बढ़ाने के लिए उठाए गए हैं।

इसके अलावा, 3 अप्रैल को आयोजित ओएमओ नीलामी में वित्तीय संस्थानों से 2029 और 2039 के बीच मैच्योर किए गए बॉन्ड पर 80,820 करोड़ रुपए की पेशकश की गई थी। इसके अतिरिक्त, 8 अप्रैल की नीलामी में 2032 और 2039 के बीच मैच्योर होने वाले बॉन्ड पर 70,144 करोड़ रुपए की पेशकश की गई थी। आगामी 3, 8, 22 और 29 अप्रैल को भी 20,000 करोड़ रुपए की चार बराबर किस्तों में आयोजित की जाएगी। इसके अलावा आरबीआई ने मार्च में भी 50,000 करोड़ रुपए की दो किस्तों में 1 लाख करोड़ रुपए की सरकारी सिक्योरिटीज की ओएमओ खरीद की थी। वहीं केंद्रीय बैंक ने 36 महीनों के लिए 10 बिलियन डॉलर की डॉलर-रुपया खरीद/बिक्री स्वैप नीलामी भी आयोजित की थी।

बाजार में 10 से 20 लाख रुपये कीमत की कारों ने बनाई जगह

नई दिल्ली

भारतीय कार बाजार में अब 10 से 20 लाख रुपये की रेंज में आने वाली कारों ने अपनी खास जगह बना ली है। इन कारों में न केवल दमदार फीचर्स हैं, बल्कि साइज़, परफॉर्मेंस और किफ़ायत के लिहाज़ से भी ये खरीदारों को खूब लुभा रही हैं। खास बात यह है कि इस मूल्य वर्ग में कॉम्पैक्ट एसयूवी से लेकर एमपीवी तक कई सेगमेंट के मॉडल मिलते हैं। कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में हाल ही में लॉन्च हुई किआ सिरोस ने बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। इसकी कीमत 9 लाख रुपये से शुरू होकर 17.80 लाख रुपये तक जाती है। इसमें ट्रिनिटी पैनोरमिक डिस्प्ले, डुअल सनरूफ और लेवल-2 अडास जैसे फीचर्स दिए गए हैं। सिरोस पेट्रोल और डीजल दोनों विकल्पों में उपलब्ध है, जिसमें मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन शामिल हैं। मिड-साइज़ एसयूवी की बात करें तो हुंडई क्रेटा इस सेगमेंट में लंबे समय से बादशाह बनी हुई है। 11.11 लाख से शुरू होकर

20.50 लाख रुपये तक की कीमत वाली इस एसयूवी में तीन इंजन विकल्प मिलते हैं और यह पेट्रोल व डीजल दोनों में उपलब्ध है। वहीं, सेडान पसंद करने वालों के लिए वोक्सवैगन वर्टस एक शानदार विकल्प है। इसकी कीमत 11.56 लाख से लेकर 19.40 लाख रुपये तक है। इसमें 40 से अधिक सेफ्टी फीचर्स के साथ-साथ शानदार इंटीरियर और टर्बो पेट्रोल इंजन के दो विकल्प मौजूद हैं। अगर किसी को 7-सीटर एमपीवी चाहिए तो मारुति सुजुकी एर्टिगा सबसे भरोसेमंद नाम है। इसकी कीमत 8.84 लाख से 13.13 लाख रुपये तक है।

बाइक सीबी300आर की कुछ यूनिट्स को वापस मंगवाने का फैसला

नई दिल्ली। अपनी प्रीमियम बाइक सीबी300आर की कुछ यूनिट्स को होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने हेडलाइट से जुड़ी तकनीकी खामी के कारण वापस मंगवाने का फैसला किया है। यह रिकॉल 2018 से 2020 के बीच निर्मित यूनिट्स के लिए लागू होगा। कंपनी ने यह कदम वैश्विक स्तर पर उठाए गए ऐसे ही सुधारात्मक एक्शन के अनुरूप उठाया है। कंपनी का कहना है कि यह कार्रवाई पूरी तरह एहतियातन है और इसके तहत प्रभावित यूनिट्स के खराब हिस्सों को बदला जाएगा। कंपनी ने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे 'होंडा बिगविंग' वेबसाइट पर जाकर अपनी बाइक की विशिष्ट वाहन पहचान संख्या (वीआईएन) दर्ज करें, जिससे यह पता लगाया जा सके कि उनकी बाइक इस रिकॉल अभियान के तहत आती है या नहीं। यदि वीआईएन नंबर प्रभावित बैच से मेल खाता है, तो ग्राहक नजदीकी सर्विस सेंटर पर जाकर फ्री में मरम्मत करा सकते हैं। होंडा सीबी300आर एक प्रीमियम कैटेगरी की बाइक है जिसकी दिल्ली में एक्स-शोरूम कीमत करीब 2.40 लाख रुपये है और ऑन रोड कीमत लगभग 2.73 लाख रुपये तक जाती है। मार्च 2022 में लॉन्च हुई अपडेटेड सीबी300आर में नया बीएस-6 इंजन दिया गया है, हालांकि बाइक के बाकी फीचर्स और स्पेसिफिकेशन लगभग पहले जैसे ही हैं। इस तरह की तकनीकी समस्याओं से ब्रांड की साख पर असर पड़ सकता है, लेकिन कंपनी की ओर से समय रहते उठाया गया।

अभिषेक ऑरेंज कैप की रेस में शीर्ष 15 खिलाड़ियों में पहुंचे

मुम्बई

सनराइजर्स हैदराबाद के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पंजाब किंग्स के खिलाफ खेली अपनी तूफानी पारी की बदौलत सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की रेस में शीर्ष 15 खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं।

अभिषेक ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 141 रनों की पारी खेली। इस मैच में पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स को 246 रनों का लक्ष्य दिया था जिससे उसने 18.3 ओवर में ही हासिल कर लिया।

अभिषेक इस मैच से पहले खेले पांच मैचों में विफल रहे थे और कुल 51 रन ही बना पाये थे पर इस मैच में उन्होंने हालात बदल दिये। अब वह इस सत्र में में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की रेस में 12वें पायदान पर पहुंच गए हैं। यहां तक की अभिषेक इस रेस में अब विराट कोहली और केएल राहुल से भी आगे निकल गये हैं। वहीं इसी मैच में 82 रनों की तूफानी पारी खेलने वाले पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर भी शीर्ष पांच में में अपनी जगह बनाने में सफल रहे हैं। अय्यर के अब 5 मैचों में 250 रन हो गए हैं। ऑरेंज कैप की रेस में सबसे आगे लखनऊ सुपर जाएंट्स के निकोलस पूरन है, उन्होंने सबसे अधिक 349 रन बनाए हैं। उनके अलावा गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन 300 रन से ऊपर पहुंचने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं।

आईपीएल 2025 ऑरेंज कैप सूची-

खिलाड़ी	मैच	रन	औसत
निकोलस पूरन	6	349	69.8
साई सुदर्शन	6	329	54.83
मिशेल मार्श	5	265	53
श्रेयस अय्यर	5	250	83.33
जोस बटलर	6	218	43.6
ट्रैविस हेड	6	214	35.67
शुभमन गिल	6	208	41.6
अजिंक्य रहाणे	6	204	40.8
एडेन मार्करम	6	202	33.67
सूर्यकुमार यादव	5	199	49.75
प्रियांश आर्य	5	194	38.8
अभिषेक शर्मा	6	192	32
रजत पाटीदार	5	186	37.2
विराट कोहली	5	186	46.5
केएल राहुल	3	185	92.5

दूसरी ओर सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की करें तो 12 विकेट लेकर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के नूर अहम पहले स्थान पर बने हुए हैं। वहीं शार्दुल ठाकुर 11 विकेट के साथ सूची में दूसरे स्थान पर हैं। प्रसिद्ध कृष्णा, आर साई किशोर और मोहम्मद सिराज तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर पर हैं।

आईपीएल 2025 पर्पल कैप लिस्ट-

प्लेयर	मैच	विकेट	औसत
नूर अहमद	6	12	13.17
शार्दुल ठाकुर	6	11	19.82
प्रसीद कृष्ण	6	10	16
साई किशोर	6	10	16.8
मोहम्मद सिराज	6	10	20.4

न्यूज ब्रीफ

धवन के घर पहुंची सोफी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन पिछले कुछ समय से एक विदेशी युवती के साथ नजर आते रहे हैं जिससे उनके अफेयर की चर्चाओं को भी बल मिला है। इसके बाद सामने आया कि ये युवती आयरलैंड की सोफी शाइन है। अब धवन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है। इसमें सोफी उनसे कह रही है कि मुझे आपके पास रहना है। धवन सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और आमतौर पर अपने वीडियो साझा करते है। अब उन्होंने सोफी के साथ एक रील साझा की है। इस दौरान सोफी वीडियो बनाती दिखी। इस दौरान वह धवन से कहा रही हैं, मेरा यहां से जाने की मन नहीं, मुझे आपके पास रहना है। धवन ने कुछ दिन पहले ही बताया था, हाँ, मैंने आगे बढ़ने का फैसला कर लिया है। मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं प्यार में बदकिस्मत था बल्कि, मेरे चुनाव अनुभवहीनता से आए थे पर अब मेरे पास अनुभव है और यह काम आएगा। यह मेरे लिए एक सीखने का दौर था. गौरतलब है कि सोफी एक आयरिश प्रोडक्ट कंसल्टेंट हैं। वहीं धवन ने क्रिकेट के सारे फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा कर दी है और अब वह विज्ञापनों के अलावा क्रिकेट कमेंट्री के साथ ही कई अन्य काम करते हैं।

शमी आईपीएल में सबसे अधिक रन देने वाले दूसरे गेंदबाज बने

हैदराबाद। अनुभवी तेज गेंदबाज मो शमी के नाम आईपीएल में एक ऐसा रिकार्ड बना है जिससे वह भूलना चाहेंगे। पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए शमी आईपीएल में सबसे अधिक रन देने वाले दूसरे तेज गेंदबाज बने हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में शमी की गेंदों की जमकर पिटाई हुई और 4 ओवर में ही 75 रन निकल गये जबकि उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। मार्कस स्टॉयनिस ने उनके अंतिम ओवर में लगातार 4 छक्के लगाए। शमी ने अपने अंतिम ओवर में 27 रन दिये। यह आईपीएल के अब तक के इतिहास में दूसरी सबसे महंगी गेंदबाजी है। अब तक आईपीएल में 4 ओवर के स्पेल में सबसे अधिक रन देने के मामले में जोफ्रा आर्चर पहले नंबर पर हैं। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले आर्चर ने इसी साल हैदराबाद के खिलाफ 76 रन दिये थे। शमी से पहले आईपीएल में सबसे अधिक रन लुटाने वाले भारतीय गेंदबाज मोहित शर्मा थे। मोहित ने पिछले साल गुजरात टाइटंस की ओर से खेलते हुए 4 ओवर में ही 70 रन दे दिये थे। तब शमी उनकी ही टीम में शामिल थे। वहीं इस बार शमी शमी गुजरात टाइटंस की जगह पर सनराइजर्स हैदराबाद से खेल रहे हैं।

काव्या ने अभिषेक की मां को गले लगाया

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की पंजाब किंग्स के खिलाफ खेली पारी से बेहद उत्साहित हैं। अभिषेक ने 141 रनों की आक्रामक पारी खेलकर सनराइजर्स को पंजाब किंग्स के खिलाफ बड़ी जीत दिलायी है। इस मैच में सनराइजर्स को जीत के लिए 246 रनों का बड़ लक्ष्य मिला था जो उसने आसानी से हासिल कर लिया। इसी को देखकर काव्या अपनी भावनाओं पर काबू नहीं कर पायीं और उन्होंने अभिषेक की मां को गले से लगा लिया। इसपर उन्होंने भी काव्या को खुशी में हाथ चूम कर बधाई दी। अभिषेक ने इस मैच में 55 गेंदों पर ही 141 रन बना दिये थे। इस प्रकार 245 रन बनाने के बाद भी पंजाब की टीम ये मैच हार गयी। वहीं 4 लगातार हार के बाद हैदराबाद को पहली जीत मिली। काव्या ने अभिषेक के माता-पिता मंजू शर्मा और राज कुमार शर्मा को जाकर गले से लगा लिया। जब काव्या ने अभिषेक की मां को गले से लगाया तो उन्होंने भी प्यार से उनके हाथ को चूमा।

आईपीएल 2025 में गेंदबाजों ने दिखाया दमदार प्रदर्शन

नई दिल्ली

आईपीएल 2025 के सीजन में गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है, खासकर मेडन ओवर्स के मामले में। अब तक खेले गए मैचों में कुल चार मेडन ओवर्स देखने को मिले हैं और यह दिलचस्प है कि इन सभी ओवर्स में गेंदबाजों ने विकेट भी चटकाए हैं। जोफ्रा आर्चर, वैभव अरोड़ा, मुकेश कुमार और मोईन अली जैसे गेंदबाजों ने यह कमाल किया और उनकी टीमों ने इन मैचों को जीत भी हासिल की।

सीजन 2025 का पहला मेडन ओवर जोफ्रा आर्चर ने फेंका था, जब राजस्थान रॉयल्स का सामना चेन्नई सुपर किंग्स से हुआ। इस मैच में आर्चर ने न केवल एक मेडन ओवर फेंका, बल्कि रचिन रवींद्र को आउट कर टीम को जीत दिलाई। राजस्थान रॉयल्स ने इस मैच में चेन्नई को छह रन से हराया। इसके बाद, वैभव अरोड़ा ने भी आईपीएल 2025 का दूसरा मेडन ओवर फेंका, जब कोलकाता नाइट राइडर्स का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से था। अरोड़ा ने इस ओवर में एक महत्वपूर्ण विकेट लिया और कोलकाता ने हैदराबाद को 80 रन से हराया।

मुकेश कुमार ने 10 अप्रैल को बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ तीसरा मेडन ओवर फेंका। इस ओवर के दौरान मुकेश ने एक विकेट लिया और दिल्ली कैपिटल्स ने इस मैच में आरसीबी को छह विकेट से मात दी। अंत में, मोईन अली ने 11 अप्रैल को चेन्नई में खेले गए मैच में चौथा मेडन ओवर फेंका। इस ओवर के दौरान उन्होंने एक विकेट लेकर कोलकाता नाइट राइडर्स को मजबूत स्थिति में रखा और उनकी टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स को आठ विकेट से हराया।

इन चारों मेडन ओवर्स ने यह साबित कर दिया कि जब गेंदबाज कड़ी मेहनत और सटीकता के साथ खेलते हैं, तो टीम को जीत दिलाना संभव हो जाता है। इन गेंदबाजों की शानदार गेंदबाजी ने मैच के दौरान दबाव बनाने के साथ-साथ विपक्षी टीमों को मुश्किल में डाल दिया, जिससे उनके साथी खिलाड़ियों को जीत की दिशा में मदद मिली। आईपीएल 2025 के इस सीजन में मेडन ओवर्स के जरिए गेंदबाजों ने अपनी क्षमता को साबित किया और टीमों के लिए महत्वपूर्ण जीत दिलवाने में अहम भूमिका निभाई।

हेड बोले, स्टोइनिस और मैक्सवेल से विवाद नहीं मामूली हंसी मजाक हुआ

हैदराबाद। पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में हुए मुकाबले में तीन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ट्रेविस हैड, मार्कस स्टोइनिस और ग्लेन मैक्सवेल के बीच बहस हुई थी। इसी को हेड ने अब सामान्य बात बताया है। इस मैच में अभिषेक शर्मा की 141 रनों की आक्रामक पारी से सनराइजर्स ने पंजाब किंग्स पर जीत हासिल की। मैच में हेड की मैक्सवेल और स्टोइनिस के साथ नौवें ओवर में बहस पर हो गयी थी। इस पारी के नौवें ओवर के दौरान मैक्सवेल को गेंदबाजी कर रहे थे। ऐसे में ओवर की तीसरी और चौथी गेंद पर ही हेड ने मैक्सवेल पर लगातार जो छक्के लगा दिये। इससे मैक्सवेल परेशान हो गये। इसके बाद मैक्सवेल ने हेड को कुछ कह दिया। ओवर पूरा होने के बाद हेड ने इसपर नाराजगी जतायी। इसे बाद हेड और मैक्सवेल में बहस होने लगी। जब ये बढ़ती गयी तो अंपायर ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया। इसके बाद स्टोइनिस भी बीच में आ गये जिससे एक बार फिर बहस होने लगी। वहीं मुकाबले के बाद हेड ने बहस को सामान्य बताने का प्रयास किया। इस सलामी बल्लेबाजी ने कहा , 'जब आप किसी को अच्छी तरह से जानते हैं तो आप एक-दूसरे की सबसे अच्छी और सबसे कठोर बातें कह देते हैं। इस बार भी मैच में ज्यादा गंभीर बात नहीं थी, बस थोड़ी हंसी-मजाक हो रही थी। साथ ही कहा कि हमें इस जीत की जरूरत थी जो हमने हासिल की। हमने आधे समय में ही अपना काम पूरा कर लिया था। हमने अपने को अवसर दिया, शुरुआत में थोड़ा और धैर्य दिखाया। हम जानते थे कि वे किस योजना के साथ आने वाले हैं। हमने अपने को थोड़ा और समय देकर अच्छी शुरुआत की।

हैदराबाद से हार पर पंजाब किंग्स के बॉलिंग कोच सुनील बोले-हमें डॉट बॉल प्रतिशत बढ़ाने की जरूरत

नई दिल्ली

पंजाब किंग्स के स्पिन-गेंदबाज कोच सुनील जोशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हार पर कहा है कि हमारे बल्लेबाज अच्छी फार्म हैं, लेकिन गेंदबाजी में थोड़ी सुधार के साथ डॉट-बॉल प्रतिशत बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम आधे मौकों का फायदा नहीं उठा सके।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में शनिवार को पंजाब किंग्स को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। पंजाब किंग्स ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह (23 गेंदों पर 42 रन), प्रियांश आर्य (13 गेंदों पर 36 रन), कप्तान श्रेयस अय्यर (36 गेंदों पर 82 रन) और मार्कस स्टोइनिस (11 गेंदों पर नाबाद 34 रन) की धमाकेदार पारियों की बदौलत 6 विकेट पर 245 बनाए थे। सनराइजर्स हैदराबाद ने इसके जवाब में अभिषेक शर्मा (55 गेंदों पर 141 रन) ट्रैविड हेड (37 गेंदों पर 66 रन) की बदौलत जीत सुनिश्चित की। सनराइजर्स हैदराबाद ने 18.3 ओवर में मात्र 2 विकेट खोकर यह लक्ष्य हासिल कर लिया। पंजाब किंग्स 5 मैचों में तीन जीत और दो हार के बाद प्वाइंट टेबल में छठे नंबर पर आ गई है। मैच पर विचार रखते हुए पंजाब किंग्स के स्पिन बॉलिंग कोच सुनील जोशी ने कहा कि मुझे लगता है कि इस मैच से सकारात्मक बात यह रही कि हमारे बल्लेबाज निश्चित रूप से शानदार फॉर्म में हैं। हालांकि, गेंदबाजी में सुधार की जरूरत है और हमें अपना डॉट-बॉल प्रतिशत बढ़ाने की जरूरत है। इस विकेट पर गेंदबाजी करते समय हम यही चूक गए। अच्छे विकेट पर, बीच के ओवरों में डॉट-बॉल प्रतिशत ही एकमात्र अंतर हो सकता है। इसलिए यही महत्वपूर्ण है और हम आधे मौकों का फायदा नहीं उठा सके। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि गेंदबाजों ने कोई कसर नहीं छोड़ी, मेरा मतलब है कि यह एक अच्छा विकेट है। यह हमारे लिए अच्छा प्रदर्शन करने का एक मौका था, लेकिन सच तो यह है कि हमने अपने मौके गंवा दिए। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर का भी मानना है कि गेंदबाजी इकाई उस रात बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी, लेकिन उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि टीम अपनी रणनीतियों में सुधार करने के बाद मजबूत वापसी करेगी।

ला लीगा फुटबॉल

स्पेन में ला लीगा फुटबॉल में खेलते हुए खेलते हुए बार्सिलोना के पैड्री।

डेरेन गंगा की पत्नी का बनारस से है गहरा नाता

नई दिल्ली

वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर डेरेन गंगा भारतीय मूल से ताल्लुक रखते हैं। उनके पूर्वज वर्षों पहले भारत से त्रिनिडाड एंड टोबैगो जाकर बस गए थे। गंगा का जन्म त्रिनिडाड में हुआ और उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए 48 टेस्ट और 35 वनडे मैच खेले। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वह कमेंट्री से जुड़े हुए हैं और वर्तमान में आईपीएल के वर्ल्ड फीड अंग्रेजी पैनल का हिस्सा हैं। डेरेन की पत्नी प्रणीता तिवारी भी भारत से जुड़ी हुई हैं। उनका पारिवारिक घर बनारस के अस्सी घाट पर है।

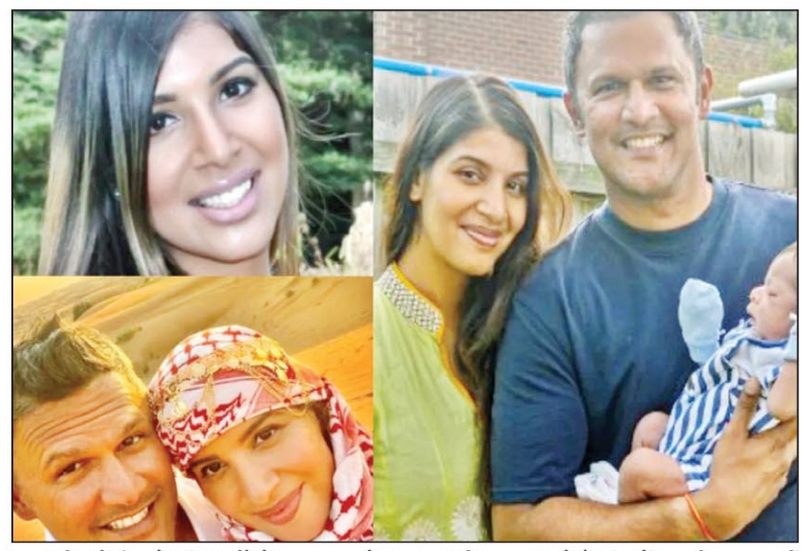

प्रणीता का जन्म ऑस्ट्रेलिया में हुआ था और वह अमेरिका तथा ऑस्ट्रेलिया में एड व सेल्स फर्म में काम कर चुकी हैं। उन्होंने लगभग पांच साल न्यूयॉर्क में बिताए। कोविड-19 महामारी के दौरान उन्होंने त्रिनिडाड में गंगा जूस बार नाम से एक दुकान शुरू की, जो पिछले पांच वर्षों से सफलतापूर्वक चल रही है। खास बात यह है कि फुर्सत के समय में डेरेन गंगा खुद भी दुकान पर हाथ बंटाते हैं।

डेरेन और प्रणीता की पहली मुलाकात 2017 में अमेरिका में हुई थी। लंबे समय तक डेटिंग के बाद दोनों ने 2020 में शादी कर ली। प्रणीता भारत से गहरे जुड़ाव को हमेशा महसूस करती हैं और अक्सर अपने पति के साथ बनारस आती रहती हैं। डेरेन गंगा जब भी बनारस आते हैं, गंगा में डुबकी लगाना नहीं भूलते।

उन्होंने लगभग दो साल पहले अस्सी घाट पर स्नान किया था। गौरतलब है कि डेरेन की जूस दुकान पर अब तक कई दिग्गज क्रिकेटर आ चुके हैं, जिनमें ब्रायन लारा भी शामिल हैं। इस जोड़ी की कहानी खेल, संस्कृति और व्यवसाय का सुंदर संगम है।

चेन्नई सुपर किंग्स के पास अभी प्लेऑफ में पहुंचने का मौका, सभी को उम्मीद थाला से

चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल 2025 का अब तक का सीजन बेहद खराब साबित हो रहा है। 5 बार की चैंपियन टीम ने अभी तक 6 मैच में से 5 में हार का सामना करना पड़ा है। चेन्नई सुपर किंग्स के क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब टीम लगातार मैच हारी है। ऐसा पहली बार हुआ हैं कि एमए चिदंबरम स्टेडियम में सीएसके ने हार की हैट्रिक लगाई हो। ऋतुराज गायकवाड़ के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद लगा था कि नए कप्तान एमएस धोनी के साथ सीएसके की किस्मत पलटेगी, मगर ऐसा नहीं हुआ। शुक्रवार को केकेआर के खिलाफ उन्हें 8 विकेट से शर्मनाक हार मिली। हालांकि हार के बावजूद उनके पास प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने का मौका है।

सीएसके का प्लेऑफ समीकरण कुछ इसपर हैं, सीएसके ने आईपीएल 2025 में अभी तक 6 मैच खेले हैं जिसमें उन्हें 1 में जीत मिली है। टीम को अभी इस सीजन में 8 और मैच खेलने हैं। अगर

सीएसके इन 8 में से 7 मुकाबले जीत जाती हैं, तब उनके खाते में 16 अंक आएंगे और आईपीएल के इतिहास में देखा गया है कि 16 अंक के साथ अक्सर टीमें प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर जाती है। वहीं अगर चेन्नई 8 के 8 मैच जीतने में कामयाब रहती है, तब उनके खाते में 18 पॉइंट्स हो जाएंगे, फिर निश्चित उन्हें नॉकआउट राउंड में जगह मिल जाएगी।

खराब फार्म के दौरान युवराज और सूर्यकुमार से सलाह ले रहा था : अभिषेक

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ 55 गेंदों में ही 141 रनों की तूफानी पारी खेलकर अपना फार्म हासिल किया है। इस मैच में अभिषेक की पारी से सनराइजर्स को शानदार जीत मिली है। आईपीएल के इस सत्र में ये पहली बार है जब अभिषेक ने अच्छी पारी खेली है। इस सत्र के शुरुआती मैचों में वह असफल रहे थे। अभिषेक ने कहा है कि जब वह रन नहीं बना पा रहे थे तो इस दौरान उन्होंने अपने मेंटर युवराज सिंह के अलावा सूर्यकुमार यादव से भी बात की थी। अभिषेक की आक्रामक पारी से ही हैदराबाद की टीम पंजाब किंग्स से मिले 246 रनों के लक्ष्य को हासिल करने में सफल रही। मैच में धमाकेदार पारी खेलने के बाद अभिषेक ने कहा, यह जीत बहुत विषेष है क्योंकि मैं हार के सिलसिले को तोड़ना चाहता था। टीम इस जीत से पहले लगातार चार मैच हारी है। उन्होंने कहा, खराब फार्म के दौरान उन्होंने युवराज से भी बात की थी। इसके अलावा सूर्या से भी मुझे लगातार सहयोग मिलता रहा है।

रोंगाली बिहू : नई शुरुआत और कृषि समृद्धि का उत्सव

रोंगाली बिहू, जिसे बोहाग बिहू के नाम से भी जाना जाता है, अप्रैल 2025 के मध्य में पूरे असम में मनाया जाएगा, जो असमिया नववर्ष और कृषि मौसम की शुरुआत का प्रतीक है। रोंगाली बिहू, जिसे बोहाग बिहू के नाम से भी जाना जाता है, अप्रैल 2025 के मध्य में पूरे असम में मनाया जाएगा, जो असमिया नव वर्ष और कृषि मौसम की शुरुआत का प्रतीक है। यह जीवंत त्यौहार न केवल वसंत और फसल का उत्सव है, बल्कि असमिया पहचान, संस्कृति और सामुदायिक भावना की पुष्टि भी है। रोंगाली बिहू असम के सबसे महत्वपूर्ण और हर्षोल्लासपूर्ण त्योहारों में से एक है, जो बोहाग (अप्रैल) के महीने में मनाया जाता है, जो असमिया नव वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है। यह पूरे राज्य में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है, जिसमें सभी उम्र और पृष्ठभूमि के लोग एकजुट होते हैं। एक वर्ष में मनाए जाने वाले तीन बिहू (अन्य दो बिहू हैं काटी बिहू और माघ बिहू) में से पहला बिहू होने के नाते, रोंगाली बिहू कृषि नवीनीकरण, पारिवारिक बंधन और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का समय है। रोंगाली बिहू की उत्पत्ति कृषि परंपराओं और ग्रामीण जीवन की मौसमी लय में निहित है। *रोंगाली* नाम *रोंग* शब्द से आया है, जिसका अर्थ खुशी या उत्सव है। यह त्यौहार असमिया समाज में सदियों से मनाया जाता रहा है, जो प्रकृति, कृषि और पारंपरिक सामुदायिक जीवन के साथ गहरा संबंध दर्शाता है। यह त्यौहार बुवाई के मौसम की शुरुआत के साथ मनाया जाता है, जब किसान नई फसलों के लिए भूमि तैयार करते हैं। समय के साथ, जबकि अनुष्ठान और उत्सव आधुनिक जीवन शैली के अनुकूल हो गए हैं, जीवन, प्रेम, श्रम भूमि के उत्सव के रूप में बिहू का सार अपरिवर्तित बना हुआ है। रोंगाली बिहू सात दिनों तक चलता है और इसे अक्सर *जात बिहू* के नाम से जाना जाता है। त्यौहार के प्रत्येक दिन का एक अनूठा केंद्र बिंदु और प्रतीकात्मक महत्व होता है:

गोरू बिहू (पहला दिन): मवेशियों को समर्पित, जिन्हें खेती के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। ग्रामीण घरों में मवेशियों को नहलाया जाता है, सजाया जाता है और उनकी पूजा की जाती है।

मानुह बिहू (दूसरा दिन) : यह मानवीय उत्सवों पर केंद्रित है, जहां लोग नए कपड़े पहनते हैं, बड़ों से आशीर्वाद लेते हैं, तथा उपहारों और पारंपरिक भोजन का आदान-प्रदान करते हैं।

गोसाई बिहू (तीसरा दिन) : समृद्ध वर्ष के लिए देवता की पूजा की जाती है।

शेष चार दिनों में क्षेत्र और स्थानीय रीति-रिवाजों के आधार पर विभिन्न अनुष्ठान और सामुदायिक समारोह आयोजित किये जाते हैं। यह सात दिवसीय अनुष्ठान रोंगाली बिहू को एक बहु आयामी उत्सव बनाता है जिसमें धार्मिक अनुष्ठान, लोक परंपराएं, संगीत और नृत्य तथा पाक प्रसन्नता का मिश्रण होता है। गोरू बिहू में मवेशियों को नदियों या तालाबों में नहलाना, हल्दी का लेप लगाना और नए धागे और मालाएं बांधना शामिल है। यह किसानों के अपने पशुओं के प्रति सम्मान और कृतज्ञता को दर्शाता है। मनुह बिहू में सुबह जल्दी स्नान, पारंपरिक पोशाक पहनना (जैसे महिलाओं के लिए मेखला साडोर और पुरुषों के लिए धोती-कुर्ता), तथा परिवार और दोस्तों के बीच आशीर्वाद और उपहारों का आदान-प्रदान किया जाता है। गोसाईं बिहू के दिन परिवार अपने घरेलू देवी-देवताओं से प्रार्थना करते हैं तथा आने वाले वर्ष के लिए खुशहाली और सफलता की कामना करते हैं। पूरे सप्ताह बिहू नृत्य, ढोल-पेपा प्रदर्शन और मेले होते हैं जो समुदाय को एक साथ लाते हैं। बिहू उत्सव के केंद्र में भोजन है, जो असमिया पाक विरासत को दर्शाता है। त्यौहार के दौरान तैयार और साझा किए जाने वाले कुछ पारंपरिक व्यंजनों में शामिल हैं: चिरा (चपटा चावल), पीठा (चावल केक), जिसमें तिल पीठा, घिला पीठा और नारिकोल पीठा जैसी किस्में शामिल हैं, लारू (मीठे नारियल या तिल के गोले), दोई-गुड़ (दही और गुड़)। ये व्यंजन न केवल असम की स्थानीय सामग्री और स्वाद को दर्शाते हैं, बल्कि त्यौहारों के दौरान एकजुटता की भावना भी बढ़ाते हैं। समकालीन समय में, रोंगाली बिहू एक बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक उत्सव के रूप में विकसित हो गया है, जिसमें राज्य प्रायोजित कार्यक्रम, बिहू नृत्य प्रतियोगिताएं और लोक परंपराओं को संरक्षित करने में युवाओं की भागीदारी शामिल है। बिहू नृत्य को अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक प्रदर्शनों के लिए भी माना जाता है, और इसे अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में यूनेस्को की मान्यता दिलाने के प्रयास चल रहे हैं। रोंगाली बिहू अब न केवल असम में बल्कि दुनिया भर में असमिया प्रवासी समुदायों द्वारा भी मनाया जाता है, जो स्थानीय बिहू सम्मेलनों और समारोहों के माध्यम से इस परंपरा को जीवित रखते हैं।

हिमाचल में मौजूद पराशर झील घूमने के लिए दिल्ली से बनाएं शानदार ट्रिप, खूबसूरती देख झूम उठेंगे आप

हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में हर रोज हजारों की संख्या में लोग घूमने के लिए पहुंचते हैं। इन जगहों की खूबसूरती देखकर लोग अभिभूत हो जाते हैं। हिमाचल प्रदेश में कुल्लू-मनाली, स्पीति वैली, शिमला और डलहौजी के बारे में तो हर कोई जानता है। लेकिन वहीं इस राज्य में कुछ ऐसी झील भी हैं, जो उसकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। हिमाचल की हसीन वादियों में स्थिति पराशर झील भी बहुत शानदार है। इसकी खूबसूरती देखकर आपका वापस आने का मन नहीं करेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दिल्ली से पराशर झील के शानदार ट्रिप के बारे में बताने जा रहे हैं। बता दें कि पराशर झील ऋषि पराशर के नाम पर है। यह झील समुद्र तल से करीब 2 हजार से अधिक फीट की ऊंचाई पर मौजूद है। इस झील के किनारे पर ऋषि पराशर का प्राचीन मंदिर भी मौजूद है। पराशर झील के चारों ओर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ मौजूद हैं और सर्दियों के मौसम में इस झील की ऊंचाई चरम पर होती है। वहीं गर्मियों में भी यहां पर लोग ठंडी हवाओं का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। दिल्ली से पराशर झील जाने के लिए आप सबसे पहले हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में पहुंचे। आप दिल्ली के कश्मीरी गेट बस स्टैंड से हिमाचल रोडवेज बस से मंडी पहुंच सकते हैं। अगर आप दिल्ली से शाम या रात में हिमाचल के लिए बस पकड़ते हैं, तो आप सुबह-सुबह मंडी पहुंच सकते हैं। मंडी पहुंचने के बाद वहां पर स्टें करें और कुछ बेहतरीन जगहों पर घूमने के लिए जा सकते हैं। फिर अगले दिन मंडी से पराशर झील के लिए निकल जाएं। अगर आप मंडी में रुकते हैं, तो आप शानदार और हसीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। मंडी को कई लोग *छोटा काशी* के नाम से भी जानते हैं। क्योंकि यहां पर कई फेमस और प्राचीन मंदिर हैं। मंडी में आप भूतनाथ मंदिर, रिवालसर झील, त्रिलोकी नाथ मंदिर और सुंदरनगर झील जैसी खूबसूरत जगहों को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। यहां पर आप कैंपिंग, हाईकिंग और ट्रैकिंग जैसी शानदार एक्टिविटी कर सकते हैं। बता दें कि मंडी से पराशर झील पहुंचना बहुत आसान है। मंडी से पराशर झील पहुंचने के लिए आप हिमाचल रोडवेज बस, कैब बुक करके और तीसरा बाइक रेंट पर लेकर जा सकते हैं। अगर आप बस से जाना चाहते हैं कि मंडी बस स्टैंड से बस पराशर झील के लिए सुबह 8 बजे से चलती हैं, जोकि शाम को 4 बजे वापस आती है। बस का किराया 120-150 रुपए के आसपास है। वहीं कैब से जाने पर आपको 2000-3000 रुपए के बीच किराया लगेगा। वहीं अगर आप बाइक रेंट पर लेकर जाते हैं, तो 500-700 रुपए के बीच किराया आ सकता है। मंडी से पराशर झील की दूरी करीब 50 किमी है। इस बीच में तमाम शानदार और बेहतरीन जगहें मौजूद हैं। जिनको आप एक्सप्लोर कर सकते हैं। इस सफर में आप कई हसीन और लुभावने दृश्यों को अपने कैमरे में कैद कर सकते हैं। मंडी और पराशर झील के बीच में आप आईआईटी मंडी, संदोया गांव, सघली गांव, खलियार गांव से लेकर बिजनी और बाघी गांव को एक्सप्लोर कर सकते हैं। वहीं आप रास्ते में इन जगहों पर रुककर चाय का स्वाद लेते हुए हिमाचल पर्वत की खूबसूरती को पास से देख सकते हैं।

इन बातों का रखें खास ख्याल : सफर के लिए आप फास्ट फूड पैक कर सकते हैं। क्योंकि आपको झील के पास बहुत कम दुकानें मिलेंगी। मंडी से पराशर झील घूमने जाने के लिए गर्मी या ठंडी में प्लान बनाएं। आप पराशर झील के लिए सुबह-सुबह निकल सकते हैं। जिससे कि अंधेरा होने से पहले वापस आ सकें।

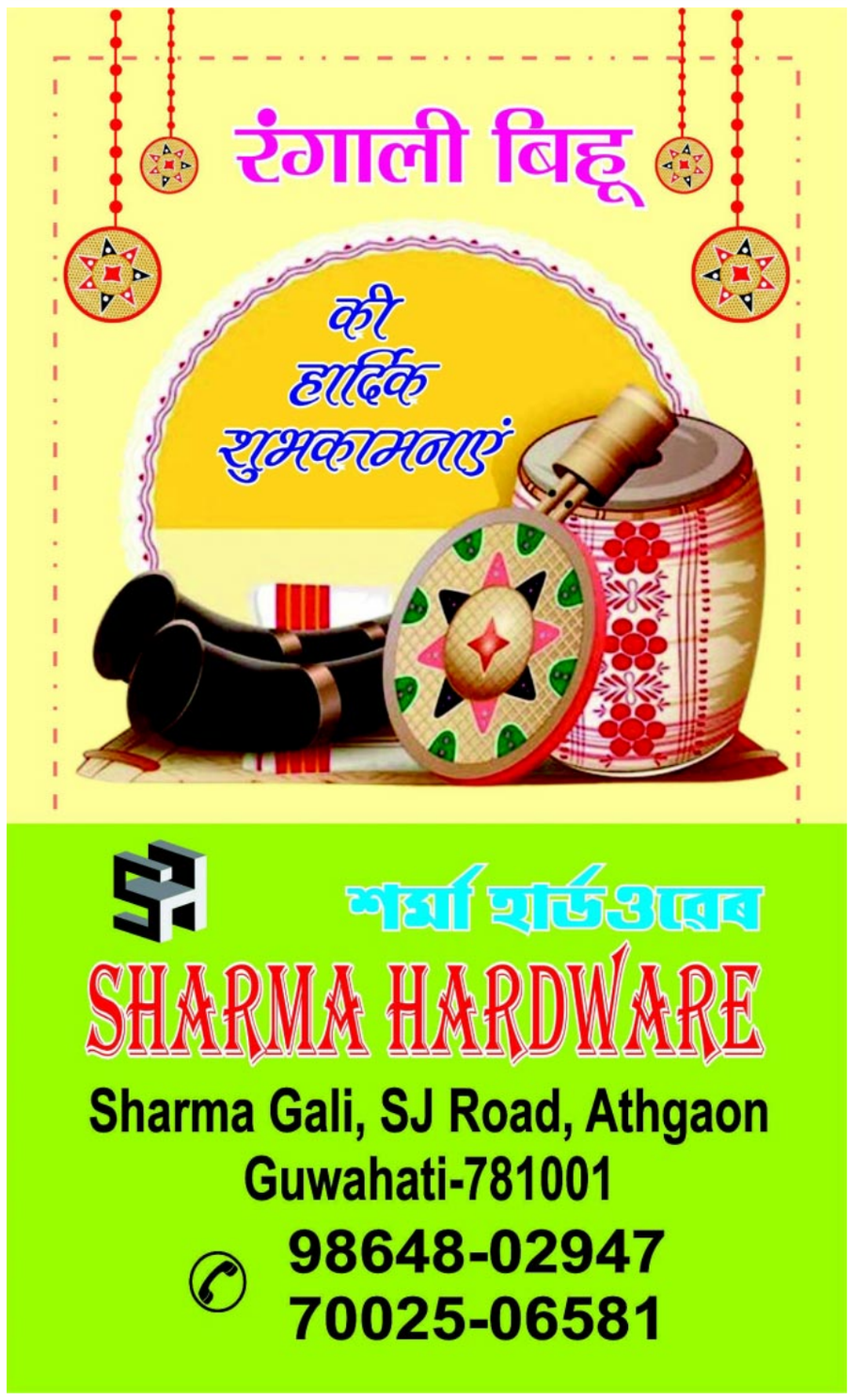

घर में तुलसी का पौधा लगाने से पहले जान लें ये नियम बरसेगी मां लक्ष्मी की कृपा

तुलसी के पौधे में मां लक्ष्मी का वास माना जाता है। इसलिए लोग तुलसी के पौधे की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही तुलसी के पौधे में जल भी दिया जाता है। तुलसी के पौधे में जल देने और पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति के जीवन में आने वाले दुख और संकट दूर होते हैं। इससे आर्थिक तंगी से भी छुटकारा मिलता है। धार्मिक मान्यता है कि तुलसी का पौधा घर में लगाने के लिए कुछ नियम का पालन जरूर करना चाहिए। ऐसे में अगर आप भी अपने घर में तुलसी का पौधा लगाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि वास्तु शास्त्र के मुताबिक किस दिन तुलसी का पौधा लगाना शुभ माना जाता है। हिंदू धर्म में तुलसी पूजा का विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक तुलसी का पौधा लगाने के लिए गुरुवार और शुक्रवार का दिन शुभ माना जाता है। वहीं इस शुभ दिन पर तुलसी का पौधा लगाने से व्यक्ति के जीवन में खुशियों का आगमन होता है। इससे हमेशा घर-परिवार में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है और जातक को शुभ फल की प्राप्ति होती है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक उत्तर दिशा में तुलसी का लगाना शुभ माना जाता है, इससे घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। इससे व्यक्ति पर मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। वहीं आप तुलसी के पौधे को पूर्व दिशा में भी लगाना शुभ माना जाता है। पूर्व दिशा में इस पौधे को लगाने से धन वृद्धि होगी। इससे व्यक्ति को आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है। एकादशी और रविवार के दिन तुलसी के पौधे को जल नहीं देना चाहिए और इस दिन न ही तुलसी के पत्ते तोड़ने चाहिए। धार्मिक मान्यता के अनुसार, ऐसा करने में मां लक्ष्मी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। इससे व्यक्ति के जीवन में कई तरह की समस्याएं आ सकती हैं। बता दें कि तुलसी के पौधे में जल अर्पित करना शुभ माना गया है और इस काम को सूर्योदय के समय करना शुभ माना गया है। वहीं तुलसी पूजा में भूलकर भी काले रंग के कपड़े नहीं पहनने चाहिए। साथ ही विधि-विधान से तुलसी की पूजा-अर्चना करनी चाहिए। तुलसी के पौधे के आसपास गंदगी नहीं रखनी चाहिए क्योंकि इस पौधे में मां लक्ष्मी का वास माना जाता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**